दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik
www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 190 ■ दमण, गुरुवार 25 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दानह भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर ने रांधा की चुनावी सभा में भरी हुंकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव के बाद सभी समस्याओं का समाधान करने का दिया है भरोसा: कला डेलकर

■ आदिवासियों को जंगल जमीन का अधिकार, स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरी में अवसर, प्रदेश की सडकों की मरम्मत, केन्द्र सरकार की ओर से लागू सभी योजनाओं का अमलीकरण सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का किया वादा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
सिलवासा 24 अप्रैल।

दादरा नगर हवेली की भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर ने आज रांधा में चुनावी सभा आयोजित कर हुंकार भरी। भाजपा उम्मीदवार की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दानह भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर के चुनाव प्रचार के लिए रांधा में सभा आयोजित की गयी थी। इस चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर ने कहा कि चुनाव के बाद सभी समस्याओं का समाधान करने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भरोसा दिया है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों को जंगल जमीन का अधिकार दिलाया जायेगा। स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर दिये जायेंगे। इसके साथ ही प्रदेश की सडकों का भी मरम्मतीकरण किया जायेगा। कला डेलकर ने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से लागू विकासीय योजनाओं के अमलीकरण में स्थानीय प्रशासन का पूरा सहयोग दिया जायेगा। इस अवसर पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दादरा नगर हवेली के पूर्व सांसद नटू पटेल ने भाजपा उम्मीदवार कला डेलकर को रिकार्ड मतों से जीताने के लिए सभी आदिवासी मतदाताओं से अपील की। इस मौके पर अभिनव डेलकर ने भाजपा संगठन के साथ मिलजुलकर काम करने के लिए डेलकर संगठन के तमाम युवा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डेलकर संगठन का छोटा से छोटा कार्यकर्ता डेलकर परिवार का सदस्य है। आदिवासियों के मान-सम्मान को फिर से बहाल करने के लिए अभिनव डेलकर ने ऐलान किया। रांधा में आयोजित चुनावी सभा में 5 हजार से ज्यादा लोगों की उपस्थिति रही। भाजपा-डेलकर संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ जनता में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। स्वर्गीय मोहन डेलकर की लोकप्रियता आज भी दानह की जनता में कायम है। आदिवासियों के दिल में स्व. मोहन डेलकर का स्थान अमर है।

दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने दीव के वणाकबारा विस्तार में किया डोर टू डोर चुनाव प्रचार

■ भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत ■ दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे, दीव नगरपालिका प्रमुख हेमलता सोलंकी, जिला पंचायत प्रमुख रामजी भीखा, भाजपा नेत्री तरुणा पटेल, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी. एम. माछी, वरिष्ठ भाजपा नेता रामजी पारसमणी, पूजा बामणिया, बिपीन शाह, चिंतन सोलंकी, भाजपा पदाधिकारियों एवं लालू पटेल के समर्थक चुनाव प्रचार में रहे शामिल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 24 अप्रैल। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल का दीव जिले में चुनाव प्रचार जारी है। भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल का दीव जिले में लगातार डोर टू डोर चुनाव प्रचार जारी है। लालू पटेल ने आज दीव जिले के वणाकबारा मंडल में ओआईडीसी हाउसिंग विस्तार, खजुरिया शेरी, वडला शेरी, खिजारा शेरी, खारवा शेरी, मेघा वाडी, मीठी वाडी, हडमतिया वाडी, गोमती माता सोसायटी एवं फाफडी वाडी में चुनाव प्रचार किया। प्रचार के दौरान विभिन्न ग्रुप मीटिंगों में शामिल होकर भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने 7 मई को कमल के निशान का बटन दबाकर भाजपा को वोट करके भारी मतों से जीत दिलाने के लिए मतदाताओं से अपील की। आज के चुनाव प्रचार में दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे, दीव नगरपालिका प्रमुख हेमलता सोलंकी, जिला पंचायत प्रमुख रामजी भीखा, भाजपा नेत्री तरुणा पटेल, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी. एम. माछी, वरिष्ठ भाजपा नेता रामजी पारसमणी, पूजा बामणिया, बिपीन शाह, चिंतन सोलंकी, भाजपा पदाधिकारियों एवं लालू पटेल के समर्थक शामिल रहे।

लोकसभा आम चुनाव 2024 के संबंध में जनरल ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी ने की राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

■ स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव हेतु आदर्श आचार संहिता के समुचित पालन हेतु दिए निर्देश

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दीव 24 अप्रैल।

दीव में लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के सफल आयोजन हेतु भारत निर्वाचन आयोग से दीव जिले हेतु नियुक्त जनरल ऑब्र्जवर के. एस. लता कुमारी 24/04/2024 को सुबह 11 बजे घोघला सर्किट हाउस में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ जनरल ऑब्र्जवर के. एस. लता कुमारी, अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार एवं चुनाव प्रकोष्ठ के अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में चुनाव के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोजन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि चुनाव तथा इस दौरान आदर्श आचार संहिता के समुचित पालन हेतु दीव प्रशासन द्वारा एक प्रेजेंटेशन के जरिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। जनरल ऑब्र्जवर के. एस. लता कुमारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के आयोजन हेतु निर्धारित नीति-नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर अपर जिलाधीश डॉ. विवेक कुमार ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दीव के मतदान केंद्रों की जानकारी दी। साथ उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को आदर्श आचार संहिता के समुचित पालन करने, चुनाव संबंधी विधिसम्मत व्यय का उपयोग करने और अविधिसम्मत तरीके के व्यय से बचने, चुनाव के दौरान सही तरीके से प्रचार करने, चुनाव प्रचार में पर्यावरण-हितैषी साधनों का प्रयोग करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ज्ञात हो कि दमण एवं दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 7 मई 2024 को लोकसभा सामान्य चुनाव हेतु मतदान का आयोजन किया जायेगा। जनरल ऑब्र्जवर के. एस. लता कुमारी ने संदेश दिया कि दीव के मतदाता 7 मई 2024 को मतदान के दिन मतदान केंद्रों में अवश्य जाएं और अपने मतदान के संवैधानिक अधिकार का प्रयोग करें।

दीव पुलिस ने चुनाव विशेष चेकिंग ड्यूटी के दौरान जप्त किये 2,14,200 रुपये की नकदी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दीव 24 अप्रैल।

दीव पुलिस ने चुनाव विशेष चेकिंग ड्यूटी के दौरान तड चेकपोस्ट से 2,14,200 रुपये की नकदी जप्त किये है। दीव पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 24/04/2024 को लगभग 11:30 बजे एलपीसी काजल बामणिया को तड चेकपोस्ट पर ड्यूटी के रूप में नियुक्त किया गया था। जिसमें सीआईएसएफ कर्मचारी, सिविल स्टाफ और उत्पाद शुल्क कर्मचारी तड चेकपोस्ट पर चुनाव विशेष चेकिंग ड्यूटी कर रहे थे। चेकपोस्ट पर नियमित जांच के दौरान गुजरात से जीएसआरटीसी बस वाहन संख्या जीजे18जेड6060 दीव से कोडिनार मार्ग पर जा रही बस को रोका गया। एलपीसी काजल बामणिया, एसएसटी टीम के कर्मचारियों के साथ बस में यात्रियों का निरीक्षण कर रही थीं, तभी उन्हें लालशापीर दरगाह निवासी इस्माइल अबूभाई खोजादा (42 वर्ष) नामक यात्री के काले रंग के हैंडल बैग में नकद रुपये मिले। नकदी की गिनती करने पर पता चला कि उक्त बैग में कुल 2,14,400 रुपये थे। ये धनराशि लोकसभा चुनाव के संबंध में रोकी जा रही है और आगे की कार्रवाई के अधीन होगी। आगे की संभाल और निपटान के लिए उन्हें एसएसटी टीम को सौंप दिया गया है।

वीवीपैट वेरिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, कहा-चुनाव कंट्रोल नहीं कर सकते; डेटा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा करना होगा

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के वोटों और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) पर्चियों की 100 प्रतिशत क्रॉस-चेकिंग की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। इस सुनवाई के बाद जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दत्ता की पीठ ने कहा कि हम चुनावों को कंट्रोल नहीं कर सकते, हम किसी अन्य संवैधानिक प्राधिकरण के कामकाज को नियंत्रित नहीं कर सकते। ईसीआई ने संदेह दूर कर दिया है। हम आपकी विचार प्रक्रिया को नहीं बदल सकते, हम ये नहीं कर सकते कि सिर्फ संदेह के आधार पर सुप्रीम ऑर्डर जारी कर दें। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हम मेरिट पर दोबारा सुनवाई नहीं कर रहे हैं। हम कुछ निश्चित स्पष्टीकरण चाहते हैं। हमारे कुछ सवाल थे और हमें जवाब मिल गए। फैसला सुरक्षित रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि डेटा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा करना होगा। जस्टिस खन्ना ने कहा कि अगर कोई गलत करता है तो उसके परिणाम पता हैं। जिस रिपोर्ट का हवाला याचिकाकर्ता दे रहे हैं, उसमें भी शक शब्द का इस्तेमाल है। ये खुद ही आश्वस्त नहीं हैं। अगर किसी चीज में सुधार की गुंजाइश है तो इसमें निश्चित सुधार करेंगे। कोर्ट ने दो बार दखल दिया है। पहली बार हमने कहा कि वीवीपैट आवश्यक होनी चाहिए और दूसरी बात हमने इसे एक से बढ़ाकर 5 किया है। जब हमने कहा कि क्या सुधार है, जो किए जा सकते हैं तो पहला जो जवाब था, वो ये कि बैलट पेपर्स पर वापस लौट आएं।

मैं भी दावेदार हूं लेकिन उम्मीदवार पार्टी ही तय करेगी : बृजभूषण

बहराइच। महिला पहलवानों की शिकायतों के बाद विवादों में आए भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह एक बार फिर चुनाव लड़ सकते हैं। उनका कहना है कि मैंने कैसरगंज से दावेदारी की है, बाकी अंतिम निर्णय पार्टी को लेना है उन्होंने कहा कि पार्टी इस बात को लेकर आश्वस्त है कि एक दिन पहले जिस प्रत्याशी को उतारेंगे वह भारी बहुमत से जीतेगा। यह पूछे जाने पर क्या वह उम्मीदवार बृजभूषण शरण सिंह होंगे? उन्होंने कहा कि मैं भी दावेदार हूं लेकिन उम्मीदवार पार्टी ही तय करेगी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बेलसर के आजाद नगर बाजार में भाजपाइयों की बैठक के बाद कैसरगंज सांसद मीडिया से मुखातिब थे। एक सवाल के जवाब में बृजभूषण शरण सिंह कहा कि कैसरगंज से भाजपा उम्मीदवार पांच लाख से अधिक मतों से चुनाव जीतेगा। उन्होंने कहा कि जो भी प्रत्याशी होगा वह बड़ी दमदारी से चुनाव जीतकर जाएगा। कैसरगंज से भाजपा बहुत मजबूत है, टिकट में देरी की वजह हो पार्टी की कोई रणनीति सकती है इससे पहले बृजभूषण श ?रण सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि उनके टिकट में देरी के पीछे हो सकता है बीजेपी की कोई रणनीति हो। सवालों पर मुस ?कुराते हुए उन्होंने यह भी कहा कि मेरे टिकट की चिंता तो मेरी है, आप की नहीं है।

बठिंडा की झोपड़ पट्टी में आग लगने दो बहनों की मौत, कई अन्य घायल

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा जिले के झोपड़ पट्टी क्षेत्र उड़िया बस्ती में मंगलवार को आग लगने से दो बहनों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग बुझाने वाले वाहनों को तत्काल मौके पर भेजा गया और तीन घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में सात साल की मीरा और पांच साल की उसकी बहन राधा की मौत हो गई। उसने बताया कि आग खाना बनाने के दौरान एक झोपड़ी में लगी और तेज हवा चलने की वजह से लपटों ने अन्य झोपड़ियों को भी अपने चपेट में ले लिया। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया जहां दो लड़कियों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। स्थानीय विधायक जगरूप सिंह गिल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवार की हर संभव मदद करने का वादा किया।

इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े लेनदेन की एसआईटी करें जांच

–मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रशांत भूषण

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉन्ड के द्वारा राजनीतिक दलों, कॉरपोरेट और अधिकारियों के बीच कथित लेनदेन की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराए। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को गैर संवैधानिक बताकर स्टेट बैंक से कहा था कि वह लेनदार और देनदार की लिस्ट जारी करे। यह लिस्ट चुनाव आयोग की वेबसाइट के द्वारा पब्लिक डोमेन में आ चुकी है। एडवोकेट भूषण ने अब सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर गुहार लगाई है कि मामले में फर्जी कंपनी और घाटे में चल रही कंपनियों की तरफ से दिए गए चंदे के मामले में फंड के स्रोत का पता लगाना जरूरी है। इसके लिए एसआईटी गठित करें। याचिका में कहा गया है कि इन फर्जी और घाटे में चल रही कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को चंदा दिया है। जिन कंपनियों ने फायदा पहुंचाने के बदले राजनीतिक पार्टियों को चंदा दिया है, वह चंदा राजनीतिक पार्टियों से वसूल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को एक एतिहासिक फैसले में राजनीतिक पार्टियों को दिए जाने वाले चंदे के लिए तय स्कीम इलेक्टोरल बॉन्ड को खारिज कर दिया था इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह इलेक्टोरल बॉन्ड को कैश कराए जाने से संबंधित तमाम ब्योरे को सार्वजनिक करे। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से नया बॉन्ड जारी किए जाने पर रोक लगा दी थी।

भारत छोड़ने की वजह पर ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनी ने बोला झूठ

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार अवनी दियाज ने दावा किया कि उन्हें भारत में चुनाव की कवरेज की इजाजत नहीं दी गई। साथ ही देश छोड़कर जाने के लिए भी मजबूर किया गया। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) की साउथ एशिया ब्यूरो चीफ अवनी दियाज 20 अप्रैल को भारत से रवाना हो गई थीं। पत्रकार की ओर से कहा गया कि भारत सरकार ने वीजा अवधि नहीं बढ़ाई जिसकी वजह से भारत छोड़ना पड़ा और वह चुनावों की रिपोर्टिंग नहीं कर सकीं। पत्रकार के दावे को भारत सरकार से जुड़े सूत्रों ने गलत और भ्रामक बताया है। वहीं अवनी दियाज के बारे में एक नई जानकारी सामने आ रही है। अवनी के भारत छोड़ने का फैसला किसी राजनीतिक दबाव के चलते नहीं बल्कि एक नई नौकरी और शादी की वजह से प्रभावित है। अवनी को जनवरी 2022 में नई दिल्ली के दक्षिण एशिया ब्यूरो में शामिल होने के बाद से विदेशी पत्रकारों के लिए जे1 वीजा था। उनकी रिपोर्टिंग पर सवाल उठने और गलत खबरें फैलाने के बाद भी, 2023 में भारत सरकार ने उन्हें पहली बार वीजा बढ़ाकर दिया था। अवानी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्हें अचानक भारत छोड़ना पड़ा। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने उन्हें बताया है कि उनका वीजा अब आगे लिए नहीं बढ़ाया जाएगा। हालांकि दिल्ली में स्थित भारतीय अधिकारी ने इसका पूरी तरह से खंडन किया है। अधिकारी ने कहा कि विदेश मंत्रालय के किसी भी अधिकारी ने अवनी को फोन करके यह नहीं कहा था बताया था कि उसने हद पार कर ली है। हम बिना किसी अपवाद के वीजा आवेदकों को फोन नहीं करते हैं। अवनी के भारत छोड़ने के बारे में कई मीडिया आउटलेट्स के साथ साक्षात्कार शेड्यूल करने में तीन दिन लग गए और यहां तक कि उसने अपने समर्थन में एक बयान जारी करने के लिए भारत में विदेशी संवाददाताओं की पैरवी भी की।

ममता का आरोप....मेरे भतीजे अभिषेक को मारने की कोशिश की गई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा ने उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के दूसरे नंबर के नेता अभिषेक बनर्जी को मारने की कोशिश की। सीएम बनर्जी ने चुनाव प्रचार को संबोधित करते हुए दावा किया। सीएम बनर्जी ने कहा तुमने अभिषेक को मारने की कोशिश की, लेकिन हमें पहले ही पता चल गया। उसके घर की रेकी भी की, अभिषेक को फेसटाइम पर बुलाकर मिलने का समय मांगा। सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग (ईसीआई) पर भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है।

पप्पू यादव का बड़ा वार, बोले- मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे तेजस्वी, उनमें लालू के जैसा धैर्य नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्णिया में सियासी संघर्ष से जबरदस्त तरीके से जारी है। एक ओर पूर्णिया सीट लालू यादव के लिए नाक का सवाल बन गया है। तो दूसरी ओर पप्पू यादव जबरदस्त तरीके से इस सीट पर अपनी ताकत लगा रहे हैं। हालांकि, यह सीट लगातार एनडीए के कब्जे में रहा है। लेकिन इस बार मुकाबला त्रिकोणीय नजर आ रहा है। पप्पू यादव ने निर्दलीय चुनाव लड़कर इस सीट को लेकर लोगों की दिलचस्पी और भी बढ़ा दी है। इसकी वजह से वह राजत और तेजस्वी यादव के निशाने पर आ गए हैं। तेजस्वी यादव ने तो यहां तक कह दिया कि लोगों के सामने दो ही विकल्प है या तो एनडीए या फिर इंडिया गठबंधन, तीसरे की ओर जाने की जरूरत नहीं है। तेजस्वी के तीसरे का मतलब पप्पू यादव से निकाला गया। अब इसी को लेकर पप्पू यादव तेजस्वी पर पलटवार कर रहे हैं।

पप्पू यादव ने साफ तौर पर कहा है कि तेजस्वी यादव मुझे रोकने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वह कितनी भी सफाई दे। लेकिन इतनी नफरत मुझे लेकर क्यों है? पता नहीं। राजद के कई नेता पूर्णिया में लगातार कैंप किए हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राजद के नेताओं को सारण और पाटलिपुत्र जैसे जगह पर अपनी ताकत लगानी चाहिए जहां लालू परिवार के लोग लड़ रहे हैं। पूर्णिया में राजद क्यों कैंप कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमें जनता के दिल में जगह बनानी है। हमको विकास का काम करना है। जात-पात नहीं चलेगा। तेजस्वी पूर्णिया में राजद उम्मीदवार बीमा भारती के लिए जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा, ''वह इतने अधीर क्यों हो जाते हैं? ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अपने पिता से धैर्य विरासत में नहीं मिला है।'' उन्होंने कहा, ''मैं परेशान नहीं हूं। मैं एक पुरानी नीति कथा से प्रेरणा लेता हूं, जिसमें एक ऋषि बिच्छू के डंक से अप्रभावित रहे थे।'' पप्पू यादव ने इस सवाल को नजरअंदाज कर दिया कि क्या उन्हें लगता है कि तेजस्वी यादव ने भारती की हार को स्वीकार कर लिया है, जो हाल ही में जदयू छोड़कर राजद में शामिल हुई थीं। हालांकि, वह उनपर भाजपा की 'बी टीम' होने के संबंध में बार-बार लगने वाले आरोपों पर भड़क गए। पप्पू यादव ने व्यंग्यात्मक रूप से कहा,'' मैं आम आदमी हूं और राजा या राजकुमार पर टिप्पणी नहीं कर सकता। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन यह बी टीम की बात क्या है? क्या वह उन सभी वरिष्ठ राजद नेताओं पर भी यही लेबल लगाएंगे, जिन्होंने हाल ही में पार्टी छोड़ दी है?'' उन्होंने कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं।

पप्पू यादव ने कहा, ''26 अप्रैल को मतदान के दिन पूर्णिया की जनता इतिहास रचेगी। इसके बाद मैं अमेठी और रायबरेली सहित अनेक जगहों पर 'इंडिया' गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करूंगा।'' पप्पू यादव ने कहा कि उन्होंने राजद के टिकट पर दो बार मधेपुरा सीट पर जीत दर्ज की। उन्होंने सवाल किया, '' क्या मैं उस समय भी भाजपा की बी टीम था?क्या कन्हैया कुमार भी भाजपा की बी टीम हैं? '' जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार को राजद के उत्तराधिकारी तेजस्वी यादव के संभावित प्रतिद्वंद्वी के तौर पर देखा जाता है और यही वजह है कि पार्टी ने 2019 में बेगूसराय सीट पर उनके खिलाफ उम्मीदवार खड़ा किया था। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कन्हैया ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

सैम पित्रोदा के बयान को लेकर गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील का कांग्रेस पर प्रहार

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले इंडियन ऑवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा के एक बयान ने कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हांलाकि कांग्रेस सैम पित्रोदा के बयान को उनकी निजी राय बताकर पल्ला झाड लिया है। लेकिन भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाकर कांग्रेस को घेरने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सैम पित्रोदा के बयान को लेकर भाजपा कांग्रेस पर कड़े प्रहार कर रही है और आरोप लगा रही है कि वह जनता की 50 फीसदी संपत्ति छीन लेगी7 गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटील ने सैम पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस को आडे हाथ लिया है। सीआर पाटील ने ट्वीट कर कहा 'सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस की मंशा साफ हो गई है7 कांग्रेस लोगों की निजी संपत्ति सरकारी तिजोरी में रखकर अल्पसंख्यकों में बांटना चाहती है। कांग्रेस भारत का नाश करने का निर्णय किया है।' अपने ट्वीट में सीआर पाटील ने आगे लिखा 'कांग्रेस सत्ता में आने के बाद लोगों की संपत्ति का सर्वे करेगी और यूपीए शासन के दौरान के निर्णय के मुताबिक लोगों की संपत्ति बांट देगी। देश के लोगों जो संपत्ति अपने परिश्रम से एकत्र की है उसे कांग्रेस छीन लेना चाहती है। ' गौरतलब है कि सैम पित्रोदा के विरासत कर (टैक्स) को लेकर दिए गए बयान ने भारत की राजनीति में हलचल मचा दी है। सैम पित्रोदा के मुताबिक अमेरिका में विरासत कर लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है तो जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 प्रतिशत संपत्ति अपने बच्चों को दे सकता है। जबकि 55 प्रतिशत संपत्ति सरकार द्वारा हड़प ली जाती है। यह एक दिलचस्प कानून है जो कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं तो आपको अपनी आधी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। सैम पित्रोदा ने कहा कि अमेरिका यह जो निष्पक्ष कानून है वह मुझे अच्छा लगता है।

कांग्रेस शासित राज्यों में बेटियों से दरिंदगी पर चुप क्यों है कांग्रेस हाईकमान: अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हैदराबाद में पार्टी प्रत्याशी श्रीमती माधवी लता जी के विशाल रोड शो में हिस्सा लिया व पार्टी कार्यालय पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस की बुरी नज़र जनता की संपत्ति पर पड़ चुकी है। संपत्ति, संतान, सीमा और सनातन को कांग्रेस से सीधा ख़तरा है। ये लोग आपकी मृत्यु के बाद भी अपना वसूली टैक्स जारी रखना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी मृत्यु के बाद आपकी संपत्ति आपके बच्चों को नहीं बल्कि माइनॉरिटी के नाम पर घुसपैठियों को देना चाहती है क्योंकि वह उसके वोट बैंक हैं। स्पष्ट हो चुका है की कांग्रेस सनातन के बाद अब संतान विरोधी भी हो चुकी है। अनुराग ठाकुर ने श्रीमती माधवी लता जी के साथ चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पूजा अर्चना भी की।

अनुराग ठाकुर ने उक्त बातें राहुल और राजीव गांधी जी के मेंटर और ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष सैम पित्रोदा के बयान के बाद कहीं जिसमें उन्होंने कहा है की भारतीयों की मृत्यु के बाद उनकी 55त्न संपत्ति सरकार को ले लेनी चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज कांग्रेस का सम्पत्ति, सीमा सनातन और संतान विरोधी चेहरा सामने आ चुका है। साफ हो गया है कि यह जो फाइनेंशियल और इकोनॉमिक सेंसस करने की बात करते हैं उसका हिडन एजेंडा यही है की आपकी मृत्यु के बाद आपकी कमाई आपके बच्चों के बजाय घुसपैठियों को दे दी जाए। देश को सोचना होगा कि क्या उनकी संपत्ति, उनके बच्चों की सुरक्षा, हमारी सरहदें और देश का भविष्य कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है?

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, ÷राहुल गांधी और ओवैसी औरंगजेब की यूनिवर्सिटी से पढ़े हैं और उसी की भाषा बोलते हैं। राहुल गांधी ने ओवैसी के खिलाफ कैंडिडेट क्यों नहीं दिया? क्या ओवैसी राहुल गांधी की क्च्टीम हैं या राहुल गांधी ओवैसी की क्च्टीम हैं? इसीलिए जो काटने और टुकड़े करने की बात करते हैं उनकी पतंग ऐसी काटो कि वह फिर काटने और कटने की बात करने लायक ना रह जाएं। इनके फर्जी वोटो का जिन बोतल में हमेशा हमेशा के लिए बंद कर दीजिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जहां एक ओर भारत तीरंदाजी में मेडल जीत रहा है तो वहीं दूसरी ओर हमारी बहन माधवी लता जी भी अपने तीर द्वारा अभेद्य किले को भेदने जा रही हैं। जबसे माधवी लता आई हैं ओवैसी लापता हैं। 40 वर्षों तक यहां राज कर गरीबों का हक मारने वालों की पतंग काटना जरूरी है।'

अनुराग ठाकुर ने आगे कहा कि आज राहुल गांधी जी और उनके सहयोगियों के मोहब्बत की दुकान में नफरत का सामान बिक रहा है। आज कांग्रेस शासित राज्यों में हमारी हिंदू बहन बेटियों को दरिंदे बेरहमी से मार डालते हैं तब राहुल गांधी, इनके लोग और इनका न्याय कहां चला जाता है? आज एक कांग्रेस काउंसलर लव जिहाद का शिकार हुई अपनी बेटी नेहा के लिए कांग्रेस की सरकार में सीबीआई जांच की मांग कर रहा है लेकिन उसके साथ अन्याय हो रहा है। राहुल गांधी पूरे विश्व में जाकर न्याय का ढोंग रच रहे हैं पर अपने ही लोगों को न्याय नहीं दे रहे हैं क्योंकि उनके लिए वोट बैंक पॉलिटिक्स जरूरी है।असल बात तो यह है कि 60 वर्षों के अपने शासन में इन्होंने सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाई है। कभी जाति के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर, कभी क्षेत्र के नाम पर तो कभी भाषा के नाम पर। इनके लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने की सोच रखते हैं। कोई नारा लगाता है तो कोई नॉर्थ और साउथ को अलग करने की बात करता है। राहुल गांधी जी बताएं कि वह देश को कितने टुकड़ों में बांटना चाहते हैं और किस टुकड़े पर राज करना चाहते हैं।'

सीएम केजरीवाल को दी जा रही सुबह-शाम इंसुलिन, अब दिन में 5 बार होगी जांच

नईदिल्ली(एजेंसी)। मधुमेह की समस्या से जूझ रहे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एम्स के चिकित्सकों के परामर्श पर दिन में दो बार इंसुलिन की लो डोज (दो यूनिट) दिया जा रहा है। दोनों बार यह डोज खाने (लंच व डिनर) से पहले (प्री मिल) दिया जा रहा है। इस बीच दिन में करीब पांच बार उनका ब्लड शुगर जांचा जाएगा, ताकि यह पता चल सके कि इंसुलिन का कितना असर हो रहा है। करीब पांच दिनों तक किए गए जांच के नतीजों के आधार पर चिकित्सक यह तय करेंगे कि इंसुलिन देने का सिलसिला जारी रखा जाए या फिर इसे बंद कर दिया जाए। यदि जारी रखा जाए तो मात्रा कितनी होगी। चिकित्सकों ने उन्हें अपने खानपान पर ध्यान देने की सलाह दी। इससे पहले भी मुख्यमंत्री एक बार एम्स के चिकित्सकों के साथ स्वास्थ्य विशेषकर मधुमेह नियंत्रण को लेकर चर्चा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री को जेल में जरुरत के बाद भी इंसुलिन नहीं दिए जाने को लेकर आप कार्यकर्ताओं ने रविवार को जेल के बाहर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन में शामिल दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने जेल प्रशासन पर आरोप लगाया था कि तिहाड़ जेल प्रशासन मुख्यमंत्री को इंसुलिन नहीं दे रहा है, जबकि उनका शुगर लेवल लगातार बढ़ रहा है। शुगर लेवल बिना इंसुलिन के नियंत्रण में नहीं आ सकता है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण पर जेल प्रशासन, एलजी व भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए साजिश रचने का आरोप लगाया था। प्रदर्शन के दौरान आप कार्यकर्ता अपने हाथों में इंसुलिन लेकर पहुंचे और जेलकर्मियों से कहा कि यह इंसुलिन मुख्यमंत्री के लिए वे लेकर आए हैं, लेकिन जेलकर्मियों ने इसे लेने से इंकार कर दिया। आप कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन व तमाम तरह के आरोपों पर जेल अधिकारी बताते हैं कि जेल में डायबिटीज के करीब एक हजार मरीज हैं।इनमें से किसी भी मरीज ने इस तरह की कोई शिकायत नहीं की है। चिकित्सीय परामर्श के आधार पर हर मरीज के लिए समुचित स्वास्थ्य का इंतजाम होता है। जेल का अपना स्वास्थ्य तंत्र है, जिन कैदियों को किसी अन्य अस्पताल में भेजने की जरूरत समझी जाती है।

वरुण गांधी का पीलीभीत से टिकट काटा, अब रायबरेली से लड़ाना चाहती है भाजपा ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पीलीभीत से सिटिंग सांसद वरुण गांधी का भाजपा ने एक झटके में टिकट काट दिया। पार्टी का यह निर्णय संभवता पीलीभीत के लोगों को भी पसंद नहीं आया। फिर वरुण गांधी को कैसे रास आएगा। यही कारण है कि वरुण ने अपना दर्द बयां करते हुए क्षेत्र की जनता को भावुक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने लिखा था कि वह राजनीति में आम आदमी की आवाज उठाते रहेंगे चाहे इसकी कोई भी कीमत उठानी पड़े। वरुण ने लिखा था- मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे सालों तक पीलीभीत की महान जना की सेवा करने का मौका मिला। महज एक सांसद के तौर पर न हीं बल्कि एक व?यक्ति के तौर पर भी मेरी परवरिश और मेरे विकास में पीलीभीत से मिले आदर्श और सरलता का बहुत बड़ा योगदान है। आपका प्रतिनिधि होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैंने हमेशा पूरी क्षमता के साथ आपके हित की आवाज उठाई है। अब खबर आ रही है कि वरुण को रायबरेली से भाजपा मैदान में उतार सकती है। चर्चा है कि रायबरेली लोकसभा सीट पर बीजेपी ने सर्वे करवाया था जिसमें प्रत?याशी के रूप में वरुण गांधी का नाम सबसे आगे उभर कर आया। यही वजह है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने रायबरेली से वरुण गांधी को उतारने के लिए तैयार करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायबरेली सीट कांग्रेस का गढ़ है। 2019 में सिर्फ यही एक सीट कांग्रेस के खाते में आई थी। सोनिया गांधी यहां से लगातार सांसद चुनी जाती रही हैं। इस बार सोनिया राजस्थान के कोटे से राज्यसभा चली गई हैं। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सिर्फ रायबरेली और कैसरगंज ही दो ऐसी सीटें हैं जहां बीजेपी अभी तक प्रत्याशी नहीं उतार पाई है। सूत्रों का दावा है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने वरुण गांधी से रायबरेली में चुनाव लड़ने की बात की है। वरुण का इससे पहले पीलीभीत सीट से टिकट काट दिया गया था। चर्चा है कि कांग्रेस इस बार रायबरेली से प्रियंका गांधी को उतारने की तैयारी कर रही है। ऐसे में वरुण ने अपनी चचेरी बहन के खिलाफ लड़ने के बारे में फैसला लेने के लिए समय मांगा है।

राहुल के संसदीय क्षेत्र में प्रचार करने पहुंची प्रियंका, बोली भाजपा जनता की समस्याओं पर बात नहीं करती

वायनाड (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण पर मतदान होने वाला है। इस बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी आज केरल के वायनाड में एक रैली को संबोधित की। बता दें कि वायनाड राहुल गांधी का संसदीय क्षेत्र है। अपनी रैली में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयान से यह स्पष्ट है कि वह जनता की समस्याओं के बारे में बात नहीं करते हैं।

रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयानों पर नजर डालेंगे तो आपको मालूम चलेगा कि उन्होंने आपकी समस्याओं पर कोई बात नहीं की। उन्होंने विकास पर कोई बात नहीं की। वे वास्तविक मुद्दों पर कभी बात नहीं करते। कांग्रेस नेता ने कहा कि हर दिन वे एक नया मुद्दा लेकर आते हैं, जिसका आपके जीवन से कोई संबंध नहीं है। इन मुद्दों का आपके विकास से भी कोई संबंध नहीं है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से भी इन मुद्दों का कोई संबंध नहीं होता है। वे मीडिया को भी उन मुद्दों पर बात करने के लिए मजबूर कर देते हैं।

वायनाड में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने बताया कि कांग्रेस शुरू से लेकर आज तक विजन की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि आप मेरा भाषण भी सुन सकते हैं। जब आप उनके भाषण सुनेंगे तो पता चलेगा कि उनके पास क्या है? कौन-सा विजन? आप विजन 2047 कहते हैं लेकिन वह विजन क्या है? पिछले 10 वर्षों में आपने इस विजन को आगे बढ़ाने के लिए क्या किया? आम आदमी के लिए आपके पास क्या विजन है? आप रोजगार देने के लिए क्या कर रहे हैं?

भाजपा पर निशाना साधते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि उनके व्यवहार से ऐसा लगता है कि चुनाव उनके पक्ष में नहीं जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा बौखलाई हुई है। अगर 10 सालों में इन्होंने जनता के लिए कुछ किया होता, तो मंच पर आकर यह चर्चा नहीं होती जो आजकल हो रही है। रोज नया मुद्दा उठा रहे हैं, जिससे जनता का कोई ताल्लुक नहीं है। कांग्रेस नेता ने भाजपा पर जनता को गुमराह करने और डराने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण के मतदान के बाद भाजपा को समझ आ रहा है कि रूझान इनके पक्ष में नहीं जा रहा है

हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते... सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम संदेह के आधार पर आदेश जारी नहीं कर सकते हैं। सुनवाई ने दौरान जज ने कहा कि अदालत चुनाव की नियंत्रण अथॉरिटी नहीं है। बता दें कि अदालत ने ईवीएम के मुद्दे पर दो दखल दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमारे कुछ सवाल थे। जिनके जवाब आयोग के द्वारा दे दिए गए हैं। अभी हम फैसला सुरक्षित रख रहे है। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट को लेकर कहा कि अभी तक गड़बड़ी की एक भी रिपोर्ट सामने नहीं आई है। हम साथ में ये भी देख रहे हैं कि क्या ज्यादा वीवीपैट के मिलान का आदेश दिया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने प्रशांत भूषण से कहा कि क्या हम संदेह के आधार पर कोई आदेश जारी कर सकते हैं? जिस रिपोर्ट पर आप भरोसा कर रहे हैं, उसमें कहा गया है कि अभी तक हैकिंग की कोई घटना नहीं हुई है। हम किसी दूसरे संवैधानिक अथॉरिटी को नियंत्रित नहीं करते है। हम चुनावों को नियंत्रित नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में वीवीपैट की बात कही गई थी और उसका पालन किया गया लेकिन इसमें कहां कहा गया है कि सभी पर्चियों का मिलान करें। इसमें 5 प्रतिशत लिखा है, अब देखते हैं कि क्या इन 5 प्रतिशत के अलावा कोई उम्मीदवार कहता है कि दुरुपयोग के मामले आए हैं। सुनवाई के दौरान जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि इसलिए हमने चुनाव आयोग से भी यही सवाल पूछा था। आयोग का कहना है कि फ्लैश मैमोरी में कोई दूसरा प्रोग्राम फीड नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि वे फ़्लैश मेमोरी में कोई प्रोगाम अपलोड नहीं करते, बल्कि चुनाव चिन्ह अपलोड करते है, जो कि इमेज की शक्ल में होता है। हमे तकनीकी चीजों पर आयोग पर यकीन करना ही होगा। इसपर प्रशांत भूषण ने दलील दी देकर कहा कि वे चुनाव चिन्ह के साथ साथ कोई गलत प्रोगाम, तब अपलोड कर सकते हैं। मेरा अंदेशा उस बात को लेकर है। फिर कोर्ट ने कहा कि हम आपकी दलील को समझ गए। हम अपने फैसले में इसका ध्यान रखने वाले है।

जर्मनी में सेल्स ड्राइविंग शटल बस को देखते हुए लोग। ये बस जर्मनी के इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर में प्रदर्शित की गयी।

बायजू राइट्स इश्यू का मामला छह जून तक टला

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी मंच बायजू के निवेशकों का पक्ष सुनने के बाद राइट्स इश्यू के जरिए जुटाई राशि के उपयोग पर प्रतिबंध को अगली सुनवाई तक बरकरार रखा। एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने निवेशकों के साथ कंपनी प्रबंधन का भी पक्ष सुना और इस मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जून की तारीख तय की। इस पीठ ने साल की शुरुआत में अपने आदेश में कहा था कि राइट्स इश्यू के जरिए जुटाई गई राशि एक अलग एस्क्रो खाते में रखी जाए और मामले का निपटारा न होने तक इसकी निकासी न की जाए। निवेशकों ने आरोप लगाया है कि बायजू का संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न ने इस राशि का दुरुपयोग किया है और अदालत के पिछले आदेश का पालन नहीं किया है। दूसरी तरफ आर्थिक संकटों से घिरी कंपनी ने कहा कि उसने एनसीएलटी के निर्देशों का पूरी तरह से पालन किया है। बायजू पर चार निवेशकों ने न्यायाधिकरण के आदेश का उल्लंघन करने और राइट्स इश्यू के दौरान जुटाई गई कुछ राशि का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। निवेशकों प्रोसस, जनरल अटलांटिक, सोफिना और पीक एक्सवी के एक समूह ने अन्य शेयरधारकों के समर्थन के साथ कंपनी प्रबंधन और राइट्स इश्यू के खिलाफ एनसीएलटी का दरवाजा खटखटाया था। वित्तीय मुश्किलों में घिरने के बाद कंपनी ने फरवरी में 20 करोड़ डॉलर के राइट्स इश्यू को 22 अरब डॉलर के अपने शीर्ष उद्यम मूल्य की तुलना में 99 प्रतिशत कम मूल्यांकन पर जारी किया था।

कच्चे तेल में मामूली राहत, कुछ राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

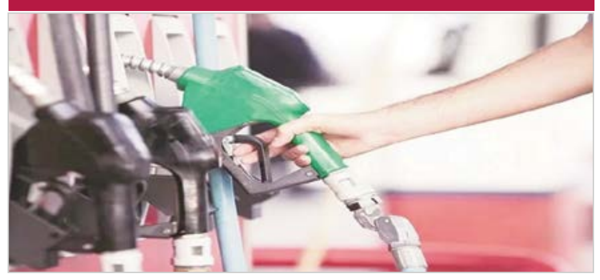

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को मामूली राहत देखने को मिल रही है। सुबह डब्ल्यूआईटीआई क्रूड आइल 83.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहे थे, जबकि ब्रेंट क्रूड आइल 88.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। हालांकि मंगलवार को मजबूत हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल की कीमत 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 4.297 लॉट के लिए कारोबार हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर हैं। यहां पेट्रोल 94.72 रुपये लीटर और डीजल 87.62 रुपये लीटर पर स्थिर है। जबकि, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये लीटर और डीजल 92.15 रुपये और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमत पिछले छह दिनों से स्थिर है। यहां पेट्रोल 100.75 रुपये लीटर और डीजल 92.34 रुपये लीटर हो गया है। झारखंड की राजधानी रांची में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 97.98 रुपये लीटर बिक रहा है। जबकि, डीजल की कीमतों में 17 पैसे की राहत मिली है। यहां डीजल 92.74 रुपये लीटर बिक रहा है।

बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 38 पैसे गिरकर 105.68 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है जबकि डीजल 36 पैसे महंगा होकर 92.51 रुपये लीटर पर बिक रहा है। जबकि गुजरात के अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत 21 पैसे महंगा होकर 94.65 रुपये हो गई है जबकि, डीजल की कीमत 21 पैसे बढ़कर 90.32 रुपये हो गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है।

दिसंबर तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का एजीआर 1.8 फीसदी बढ़ाः ट्राई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार सेवा क्षेत्र का समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में तिमाही आधार पर 1.88 फीसदी बढ़कर 67,835 करोड़ रुपए हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई के मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2023 तिमाही में दूरसंचार क्षेत्र का एजीआर एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले 7.84 फीसदी बढ़ गया। दूरसंचार सेवाओं और अन्य निर्धारित वस्तुओं की बिक्री से दूरसंचार कंपनियों द्वारा अर्जित राजस्व को एजीआर कहा जाता है। दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में दूरसंचार सेवा क्षेत्र का सकल राजस्व (जीआर) 84,500 करोड़ रुपए, लागू सकल राजस्व (एपीजीआर) 81,101 करोड़ रुपए और एजीआर 67,835 करोड़ रुपये रहा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़े बताते हैं कि आलोच्य तिमाही में सितंबर तिमाही की तुलना में जीआर में 2.13 फीसदी, एपीजीआर में 1.70 फीसदी और एजीआर में 1.88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में एक्सेस सेवाओं का हिस्सा 82 प्रतिशत था। एक्सेस सेवा श्रेणी में दिसंबर तिमाही में भारती एयरटेल का एजीआर तिमाही आधार पर 3.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 20,480.6 करोड़ रुपए हो गया। वहीं सालाना आधार पर इसमें 11.98 फीसदी की वृद्धि रही। रिलायंस जियो के लिए एजीआर तिमाही आधार पर 2.7 फीसदी बढ़कर 24,862.85 करोड़ रुपए हो गया, जबकि सालाना आधार पर वृद्धि 10 फीसदी रही। भारी कर्ज बोझ से दबी वोडाफोन आइडिया का दिसंबर तिमाही में एजीआर पिछली तिमाही की तुलना में 0.65 फीसदी गिरकर लगभग 7,459 करोड़ रुपए हो गया।

अडानी समूह की कंपनियों के शेयरधारकों का बदल रहा पैटर्न

- एफपीआई के बजाय स्पष्ट पहचान वाले निवेशकों और फंडों की मौजूदगी बढ़ी

नई दिल्ली ।

शॉर्ट सेलिंग और नियामकों की जांच के दौरान अडानी समूह की कंपनियों के शेयरधारकों के पैटर्न में काफी बदलाव देखा जा रहा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बजाय स्पष्ट पहचान वाले निवेशकों और व्यापक आधार वाले फंडों की मौजूदगी बढ़ी है। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सार्वजनिक तौर पर जारी शेयरधारिता आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है। समूह की कंपनियों में सीधे तौर पर कम से कम 1 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बड़े शेयरधारकों में भारतीय जीवन बीमा निगम, अमेरिकी निवेशक जीक्यूजी पार्टनर्स, अबू धाबी की इंटरनैशनल होल्डिंग कंपनी और कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी की आईएनक्यू होल्डिंग शामिल हैं। यहां तक कि घरेलू म्युचुअल फंडों ने भी अडानी समूह के शेयरों में निवेश करना शुरू कर दिया है। समूह के कुछ शेयरों का निफ्टी 50 और निफ्टी नेक्स्ट 50 जैसे लोकप्रिय सूचकांकों में शामिल होना भी इसकी एक वजह है। एक विश्लेषक ने कहा` कि मार्च 2024 तिमाही के दौरान एफपीआई ने अडानी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों में से सात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। अधिकतर कंपनियों में खुदरा और घरेलू निवेशकों ने भी ऐसा ही किया है। एक या दो पुराने निवेश को छोड़ दिया जाए तो अडानी समूह की कंपनियों के मौजूदा ढांचे पर उंगली उठाने की गुंजाइश नहीं है। समूह के परिचालन प्रदर्शन में सुधार होने, ऋण बोझ में कमी आने और बेहतर मूल्यांकन से इसे निवेशकों के बीच बेहतर स्वीकार्यता मिलेगी। कुछ साल पहले की स्थिति को देखें तो अडानी समूह की अधिकतर कंपनियों के बड़े शेयरधारक मॉरीशस के थे। उनके अंतिम लाभकारी स्वामित्व (यूबीओ) की पहचान करने में नियामक को भी कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है।

फिलहाल कुछ फंड जो बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में हैं, उनका अडानी समूह की कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी थी। अडानी समूह ने हमेशा किसी भी तरह की गड़बड़ी करने अथवा इनमें से किसी भी फंड से संबंध होने से इनकार किया है।

भारत और मैक्सिको में टेस्ला प्लांट लगने में करना पड़ेगा लंबा इंतजार

मुंबई ।

भारत और मैक्सिको में टेस्ला के प्लांट को लगने में अभी और समय लग सकता है। एक खबर के मुताबिक भारत और मैक्सिको में टेस्ला का प्लांट लगाने में देरी हो सकती है। कंपनी ने तिमाही नतीजे पेश किए, जिसके बाद कंपनी की ओर से अपडेट आया है कि अभी मौजूदा प्लांट या फैक्ट्री से ही नए व्हीकल्स तैयार किए जाएंगे। कंपनी की ओर से कहा गया है कि इस साल के अंत तक टेस्ला की गाड़ियां मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में भी तैयार होंगी। कंपनी ने कहा कि भारत और मैक्सिको में नया निवेश पर अभी विचार किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 से प्रोडक्शन कैपिसिटी को बढ़ाकर 50 फीसदी तक लेकर जाना है, जो कि हर साल 30 लाख यूनिट्स हैं और उसके बाद ही नए प्लांट में निवेश करने पर विचार किया जाएगा। कंपनी का कहना है कि इस अद्यतन के परिणामस्वरूप पहले की अपेक्षा कम लागत में कमी आ सकती है, लेकिन यह हमें अनिश्चित समय के दौरान अधिक पूंजीगत व्यय के साथ अपने वाहन की मात्रा को विवेकपूर्ण ढंग से बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

गूगल ने और कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सैन फ्रांसिस्को। गूगल की तरफ से इजराइल को प्रौद्योगिकी देने का विरोध करने पर कंपनी ने 20 और कर्मचारियों को निकाल दिया है। कर्मचारियों के समूह ने कहा कि इस मामले में गूगल अब तक 50 से ज्यादा कर्मचारियों को निकाल चुकी है। यह प्रोजेक्ट निंबस पर केंद्रित गूगल में आंतरिक उथल-पुथल का नया संकेत है। इजराइली सरकार को क्लाउड कंप्यूटिंग और कृत्रिम मेधा सेवाएं देने के उद्देश्य से गूगल और अमेजन के लिए इस परियोजना पर 2021 में दस्तखत किए गए थे। गाजा में जारी युद्ध के बीच गूगल के न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में सनीवेल स्थित कार्यालयों पर कर्मचारियों ने पिछले सप्ताह धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद कंपनी ने पुलिस को भी बुलाया, जिसने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया। विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह ने कहा कि कंपनी ने पिछले सप्ताह 30 कर्मचारियों को निकाला था। समूह यह मांग कर रहा है कि रंगभेद करने वालों को कोई प्रौद्योगिकी नहीं दी जाए। समूह के सदस्य जेन चुंग ने कहा कि इसके बाद मंगलवार को गूगल ने लगभग 20 और कर्मचारियों को निकाल दिया। कंपनी ने समूह के दावों का खंडन करते हुए कहा कि जिन लोगों को निकाला गया है उनमें से प्रत्येक व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से और निश्चित रूप से हमारी इमारतों के अंदर विघटनकारी गतिविधियों में शामिल था।

आरबीआई ने महाराष्ट्र में कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महाराष्ट्र के उल्हासनगर स्थित द कोणार्क अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर पैसा निकालने सहित कई प्रतिबंध लगाए। बैंक पर ये प्रतिबंध उसकी खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए लगाए गए हैं। पात्र जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा राशि में से पांच लाख रुपये तक की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने के हकदार होंगे। कोणार्क र्बन को-ऑपरेटिव बैंक पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत प्रतिबंध 23 अप्रैल कारोबार बंद होने के समय से लागू हो गए। लगाए गए प्रतिबंधों के साथ बैंक आरबीआई की अनुमति के बिना किसी भी ऋण और अग्रिम को मंजूरी या नवीनीकृत नहीं कर सकता है, कोई निवेश नहीं कर सकता है, कोई देनदारी हस्तांतरण नहीं कर सकता है या अपनी किसी भी संपत्ति का निपटान नहीं कर सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा` कि बैंक की वर्तमान नकदी स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी बचत खातों या चालू खातों या जमाकर्ता के किसी अन्य खाते में कुल शेष राशि से कोई भी राशि निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती है, लेकिन ऋणों को समायोजित करने की अनुमति है। आरबीआई ने कहा कि ऋणदाता पर प्रतिबंध को बैंकिंग लाइसेंस रद्द

जियो के नए प्लान आ रहे 25 अप्रैल को

-ऐड फ्री सब्सक्रिप्शन प्लान्स होगा लॉन्च

नईदिल्ली । जियो की ओर से न द्य ऐड फ्री सब्सक्रिप्शन प्लान्स को लॉन्च किया जा रहा है। यह प्लान उन जियो सिनेमा यूजर्स के लिए होंगे, जो बिना विज्ञापन के आईपीएल मैच देखना चाहते हैं। इसे लेकर जियो ने एक टीजर जारी करके जानकारी दी है, जिसके मुताबिक जियोसिनेमा के नए प्लान्स को 25 अप्रैल 2024 को लॉन्च किया जाएगा। मौजूदा वक्त में जियो सिनेमा की तरफ से दो प्लान्स को रोलआउट किया गया है। जियो सिनेमा का बेसिक प्लान 99 रुपये में आता है, जबकि एनुअल प्लान 999 रुपये में आता है। इस प्लान्स में यूजर्स को हॉलिवुड कंटेंट के साथ चुनिंदा मूवी और शोज का एक्सेस मिलता है। इस प्लान में यूजर्स एक बार में चार डिवाइस पर ऐप यूज कर सकते हैं। वैसे तो जियोसिनेमा का नए प्लान के बारे में ज्यादा डिटेल मौजूद नहीं है, लेकिन ऐसा दावा किया जा रहा है कि 99 रुपये मंथली प्लान से प्रीमियम प्लान लॉन्च किया जा सकता है। साथ ही 84 दिनों वाले प्लान को भी लॉन्च किया जा सकता है। मौजूदा वक्त में जियोसिनेमा पर आईपीएल मैच को फ्री में दिखाया जा रहा है। ऐसें में आईपीएल फैंस को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जियो की ओर से फ्री आईपीएल प्रसारण को बंद नहीं किया जा रहा है। बता दें कि जियो सिनेमा ऐप पर इन दियों आईपीएल मैच का प्रसारण किया जा रहा है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 114 , निफ्टी 34 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कोरोबार के दौरान धातु और कमोडिटी शेयरों में जमकर खरीदारी हुई और उससे भी बाजार को बल मिला पर टेलीकॉम, आईटी और टेक काउंटरों पर भारी बिकवाली के दबाव से इस तेजी पर अंकुश लग गया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 114.49 अंक करीब 0.16 फीसदी बढ़कर 73,852.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 34.40 अंक तकरीबन 0.15 फीसदी बढ़कर 22,402.40 अंक पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स के शेयरों में जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और बजाज फाइनेंस के शेयरों में तेजी रही जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाइटन के शेयर गिरावट पर बंद हुए। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के अलावा यूरोपीय बाजारों में भी अधिकतर में बढ़त रही। इसके अलावा गत दिवस अमेरिकी बाजार भी बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा के अंतर के साथ 73,958 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 54 अंक ऊपर 22,421 पर खुला। पिछले कारोबारी सत्र में बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। वहीं जनरल मोटर्स की बेहतर कमाई के कारण कल रात अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.7 फीसदी की तेजी आई। नैस्डैक 1.6 फीसदी बढ़ा और एसएंडपी 500 1.2 फीसदी बढ़ा। बुधवार को एशियाई बाजार में, जापान का निक्की 2 फीसदी उछली। कोस्पी और ताइवान में 1.7 फीसदी का उछाल आया

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान
दमन

National Institute of Fashion Technology, Daman
(Ministry of Textile, Government of India)

NIFT Campus, Block 5 & 6, Govt. Engineering College Campus, Mota Falia, Varkund, Nani Daman, Daman - 396210

भर्ती सचना /RECRUITMENT NOTICE

19/02/2024 /ADVT NO- NIFT/Daman/Short Term/Gr B Staff//Jan-2024

In reference to Recruitment Notification No. NIFT/Daman/Gr B/Short Term Contract/Dec-2023 published in the newspapers as well as on the website of the Institute www.nift.ac.in/daman Due to poor response to this office. The date of submission of applications invited for different Gr. B post is hereby extended up to 02nd May 2024.
For further information, please visit website www.nift.ac.in/daman.

The other terms and conditions of the Advertisement shall remain unchanged.

RA (Admin)
NIFT, Daman

मध्य रेलवे का बड़ा फैसला, बनेंगे चार मेगा टर्मिनस

मुंबई, (ईएमएस)। भारतीय रेलवे ने आम आदमी के लिए रेल यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए इस साल के केंद्रीय बजट में घोषित शून्य प्रतीक्षा सूची के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कदम उठाया है। रेलवे ने मध्य रेलवे पर चार स्थानों पर मेगा टर्मिनस बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए ग्रेटर मुंबई में छह जगहों पर जगह की तलाश शुरू हो गई है और अगर शहर में जगह की दिक्कत होती है तो शहर विकसित करने का विकल्प भी खुला रखा गया है. ज्ञात हो कि हाल ही में भारतीय रेलवे बोर्ड के प्रमुख अधिकारियों की मौजूदगी में देश के सभी जोनल रेलवे के प्रमुख वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई. बैठक में वर्तमान गर्मी की छुट्टियों की भीड़ के दीर्घकालिक समाधान पर चर्चा की गई। ग्रेटर मुंबई से यात्रियों की मांग बढ़ रही है। इसके कारण, ग्रेटर मुंबई में मौजूदा रेलवे टर्मिनस के अलावा, चार नए मेगा टर्मिनल स्थापित करने के लिए पनवेल, कल्याण, कलंबोली, डोंबिवली, ठाणे और परेल के संभावित स्थानों की तलाश की जा रही है। हालांकि अभी तक ट्रेनों में लगातार सीट उपलब्ध नहीं है. ग्रेटर मुंबई में मौजूदा रेलवे टर्मिनल से ट्रेनें पूरी क्षमता से चलाई जा रही हैं। इससे मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी वाला मेगा टर्मिनस स्थापित किया जाएगा। मेगा टर्मिनस से 40 (अप-डाउन) नई ट्रेनें चलाई जाएंगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इससे यात्री क्षमता में 50 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है. मेगा टर्मिनस क्षेत्र में यात्री वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। टर्मिनस के बीच रेल लाइन के निर्माण के लिए सन्निहित स्थान की आवश्यकता होती है। परीक्षण स्थलों पर बड़ी संख्या में आवासीय संरचनाएँ हैं। फिलहाल छह जगहों पर जमीन अधिग्रहण की बड़ी चुनौती है. इसके चलते पनवेल, बदलापुर, टिटवाला या उससे आगे यानी शहरों को विकसित करने का विकल्प भी खुला रखा गया है। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि साइट तय होने के बाद भूमि अधिग्रहण के अनुसार परियोजना लागत तय की जाएगी। मालूम हो कि अभी मध्य रेलवे के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (कुर्ला) और दादर टर्मिनस से देश के कोने-कोने तक प्रतिदिन लगभग 300 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें चलती हैं। लेकिन दिन प्रतिदिन यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसके चलते रेलवे बोर्ड नई ट्रेनें शुरू करने की योजना बना रहा है। वर्तमान टर्मिनस में नई ट्रेनों को समायोजित करने की क्षमता नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इसके समाधान के तौर पर मेगा टर्मिनस की योजना बनाई गई है।

Bharat Express
Diu To Daman - Silvassa
Baroda -Bharuch -Ankleshwar -Surat.
Navsari -Chikhli -Valsad -KillaPardi
Vapi -Bhilad -Mumbai -Ahmedabad

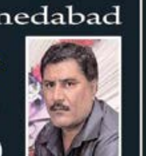

Office
02875
225990
Mo.9426989796
Mo.9104980990

CHANGE OF NAME

OLD NAME - MAYUR MADHU PATEL
NEW NAME- MAYURKUMAR MADHUBHAI PATEL
ADD:- MERI FALIA VARKUND NANI DAMAN.396210

नक्सल विरोधी कार्रवाई पर हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

डॉ. रमेश ठाकुर

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने अगस्त 2014 में इन क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना को भी मंजूरी दी। अब तक 4885 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। दूसरे चरण में 2,542 मोबाइल टावर और लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे को 2017 में 5 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिए और अब इसमें बढ़ोतरी करके 40 लाख रुपये कर दिए हैं। नक्सली फिर भी बाज नहीं आ रहे। तभी हारकर अब उनके खिलाफ ह्यपुलिस टेक्नोलॉजी मिशनह्व शुरू हुआ है। ताकि इनपर अंतिम प्रहार किया जाए। कांकेर मुठभेड़ उसी का हिस्सा है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफा फिर कांग्रेस ने प्रमाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षाबलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी। यह तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है।

बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग है कि इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं।

आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षाबलों के जवानों की जान गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्म्ड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं।

प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्चस्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा है। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे।

सन 2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए। इस अभियान में भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षाबलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन-तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है। फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है।

नक्सल वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्ययोजना' शुरू की थी, जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बनाया। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया।

वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखड़ गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षाबलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए।

केंद्र सरकार ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था। उनके लिए केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। इनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किलोमीटर सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुईं। इन परियोजनाओं में 250 किलेबंद पुलिस स्टेशन स्थापित करने का काम शुरू भी हुआ। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क आवश्यकता योजना को केंद्र सरकार ने आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में लागू किया है। इस योजना में 5,362 किलोमीटर सड़कों का निर्माण हो भी चुका है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने अगस्त 2014 में इन क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना को भी मंजूरी दी। अब तक 4885 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। दूसरे चरण में 2,542 मोबाइल टावर और लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे को 2017 में 5 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिए और अब इसमें बढ़ोतरी करके 40 लाख रुपये कर दिए हैं। नक्सली फिर भी बाज नहीं आ रहे। तभी हारकर अब उनके खिलाफ 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' शुरू हुआ है। ताकि इनपर अंतिम प्रहार किया जाए। कांकेर मुठभेड़ उसी का हिस्सा है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

विभाजनकारी पिच पर नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अलीगढ़ में भाषण बांसवाड़ा का विस्तार है। ये दोनों भाषण एक दिन के अंतराल पर हैं। दोनों की पिच एक है। कांग्रेस पर हमले के बहाने, बहुसंख्यकों में उसके शासन का डर बैठाना।यह कहना कि ह्यउनकी गाढ़ी कमाई से अर्जित संपत्तियां, यहां तक कि 'स्त्रीधन कहे जाने वाले महिलाओं गहने-मंगलसूत्र-तक माओवादी की तरह छीन लिये जाएंगे।' राष्ट्रीय संसाधन पर अल्पसंख्यकों, वे जो 'घुसपैठिए' हैं, वे 'जिनके ज्यादा बच्चे' हैं, का पहला हक होने' की वकालत की याद दिला कर बहुसंख्यकों में उनके प्रति हिकारत पैदा कराना। प्रधानमंत्री अपने पक्ष में प्रचार के लिए स्वतंत्र हैं। पर वे कांग्रेसी मैनिफेस्टो या 2006 में तात्कालिक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के भाषण को

तोड़-मरोड़ कर पेश करने के लिए नहीं। वे भूल जाते हैं कि ऐसे भाषण विभाजनकारी कोटि में आते हैं। चुनाव में होने के बावजूद एक प्रधानमंत्री के रूप में इसकी उन्हें इजाजत नहीं है। कांग्रेस चुनाव आयोग से मिल कर उनके एवं पार्टी के विरुद्ध 17 शिकायतें की हैं। प्रधानमंत्री के भाषण से लगता है, कांग्रेस जैसे सत्ता में आ रही है। ऐसा पहले चरण के मतदान में गिरावट से उन्हें लगा है। हालांकि कम वोट भाजपा का निरस्तीकरण नहीं है। पर यह आरएसएस कार्यकताओं के अनुत्साह को दशार्ता है। दूसरी बात, कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में मोदी-राज में बढ़ी आर्थिक विषमताओं के आलोक में एक आयोग बैठाने की बात की है। सरप्लस भूमि-वितरण की बात की है। इसमें गलत क्या है? स्वयं प्रधानमंत्री एवं उनकी पार्टी और अन्य सारे दल इस तरह के कार्यक्रमों के साथ आने का वादा करते हैं। मनमोहन सिंह ने 'देश के आर्थिक संसाधनों को हाशिए पर पड़े तमाम समुदायों को देने' की बात कही थी। यह प्रधानमंत्री भी जानते हैं कि देश के मुसलमान 'घुसपैठिए' नहीं हैं। वे भी अन्य के जैसे देश के नागरिक हैं, राष्ट्रवादी हैं। उनकी जनसांख्यिकी दर हिन्दू जितनी है। बेशक, लोगों के कल्याण और उनकी पहचान को जोड़ने पर राजनीतिक और चुनावी बहस हो सकती है, लेकिन मोदी के भाषण इस पर व्यापक संदेश भेजने के उनके स्वयं के प्रयासों के विरुद्ध हैं, जो लाभार्थियों में जाति-समुदाय के आधार पर भेदभाव नहीं करता। वे खुद भारत की विविधता एक 'बहुरत्नधारी वसुंधरा' मानते हैं, लेकिन पूरे समुदाय को एक विरोधी के रूप में पेश करके, प्रधानमंत्री उस बहस को व्यापक करने की संभावनाओं को सिकोड़ देते हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों
एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।
तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?
अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

परिणाम तय है इसलिए मतदाता उदासीन

अठारहवीं लोकसभा के पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को मतदान हो गया। सभी 102 सीटों में से ज्यादातर में मतदान के प्रतिशत में कमी आई है। इससे यह माना जा रहा है कि मतदाताओं में चुनाव के प्रति वह उत्साह और उमंग नहीं था, जिसकी उम्मीद राजनीतिक दल विशेष रूप से भाजपा लगाए बैठी थी । तो क्या भाजपा को इससे निराश होने की जरूरत है ? या कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को इसमें से किसी अप्रत्याशित परिणाम की उम्मीद रखनी चाहिए ? दोनों ही प्रश्नों का एक ही जवाब है, नहीं। यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी को मोदी सरकार के कामकाज पर मतदाताओं की ओर से जोरदार समर्थन की उम्मीद थी और विपक्षी दलों को लगता था कि जनता महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर सड़क पर आ जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसका एक ही मतलब है कि मतदाता ने परिवर्तन करने से ही इनकार कर दिया। हां, अब बहस सिर्फ इस बात पर हो सकती है कि भाजपा गठबंधन 400 सीटों से पार जा पाएगा या नहीं ?

जहां तक मतदाताओं में उल्लास या वोटिंग प्रतिशत गिरने का सवाल है, तो कोई भी निष्कर्ष निकालते समय हमें इस तथ्य को भी देखना होगा कि क्या किसी एक ही दल का मतदाता निष्क्रिय था ? या सभी मतदाताओं को पहले से ही चुनाव परिणामों का अंदेशा है, इसलिए चुनाव में उसका उत्साह नदारद था। टेलीविजन पर होने वाली बहस को छोड़ दें तो गांव-

चौपाल में भी मतदान और प्रत्याशी को लेकर कोई उत्सुकता नजर नहीं आई । तो भारत जैसे देश में जहां चुनाव को उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है, वहां मतदाता की उदासीनता का कारण क्या हो सकता है ? यह याद रखे जाने की जरूरत है कि 2014 का चुनाव परिवर्तन के नारे के साथ लड़ा गया था। भारत की जनता मनमोहन सरकार की अक्षमता के खिलाफ अपना मन बना चुकी थी, और अबकी बार मोदी सरकार व अच्छे दिन के नारे पर उसने मतदान किया था। 2019 का चुनाव भी पाकिस्तान को सबक सिखाने की मोदी सरकार की क्षमता पर हुआ। यह ऐसा चुनाव था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता पीछे छूट गए थे और मतदाताओं ने मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए एकतरफा मतदान किया। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। मतदाताओं में उस उत्साह की कमी साफ दिख रही है, जो पहले के दो चुनाव में देखी गई। तो क्या यह मान लिया जाना चाहिए कि देश के मतदाता को प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा नहीं रहा या वह कथित इंडी अलांयस के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकल्प के रूप में देख रहा है? बहुतांश लोगों को यह प्रश्न विचित्र लग सकता है लेकिन इस प्रश्न का जवाब ही भारत के जनमानस की वास्तविक अभिव्यक्ति है। दरअसल, आएगा तो मोदी ही, यह नारा भाजपा के साथ-साथ विपक्षी दलों के कार्यकताओं के मन में गहरे पैठ गया है। तो भाजपा कार्यकर्ता अपनी जीत देख निश्चिंत होकर चुनाव को आराम से लड़ रहे हैं, तो विपक्षी दलों के कार्यकताओं को यह लगता है कि जब भाजपा ही जीत रही है और जनमानस भाजपा के साथ है तो चुनाव में आक्रामक होने का क्या फायदा ?

ऐसा भी नहीं है कि भाजपा समर्थक हिन्दू मतदाता ही मतदान करने नहीं निकला, भाजपा को वोट नहीं देने वाले मुस्लिम समाज में भी वोट देने के प्रति उदासीनता देखी गई है। मुस्लिम बहुल बूथों पर जहां रात के दस-दस बजे तक मतदान करने के लिए लाइनें लगी रहती थीं, इस बार ऐसे समाचार सुनने में नहीं आए। इस तथ्य पर भी विचार करना ही चाहिए कि बीते सालों में यह पहली बार है जब मतदान केन्द्रों पर तनातनी या लड़ाई-झगड़े के समाचार भी सुनने को नहीं मिले हैं। ऐसा तभी होता है जब पक्ष और विपक्ष चुनाव परिणाम के बारे में आश्वस्त होते हैं। हां, केवल पश्चिम बंगाल ही एक मात्र राज्य है जहां से ऐसे समाचार आए, तो वहां का मतदान प्रतिशत भी अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा ही रहा। इस बार के चुनाव से एक बात सिद्ध हो रही है कि न तो विश्व में भारत की रैंकिंग, विकास की गति, जीडीपी दर, आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के संकल्प को मतदाता देख रहा है और न ही महंगाई और बेरोजगारी के विपक्षी एजेंडे को मतदाता ने स्वीकार किया है। भारत में विकास कभी चुनाव का मुद्दा नहीं रहा। भारत के चुनाव को सिर्फ जातीय सामंजस्य और राष्ट्रवाद ही दिशा देता है।

- सुरेन्द्र चतुवेर्दी

धधकते जंगल : तलाशने होंगे रोकने के उपाय

अनिरुद्ध गौड़

हमारे देश के वनों में गर्मियों के दिनों में आग लगना एक लगातार सिलसिला है। अप्रैल का महीना शुरू हुआ कि आग से जंगल धधकने लगते हैं। जंगल की आग पर्यावरण की दृष्टि से तो खतरनाक है ही जनजीवन और बायोडायर्वसटी की दृष्टि से भी हानिकारक है। ऐसे समय में जब जंगलों में आग लगती है तो देखा गया है कि उसकी तैयारी में सरकार विफल रही है।

देश के वनों में अप्रैल माह में आग की घटनाओं को देखें तो देश में हाल फिलहाल 361 जगह वनों में आग लगी हैं। इन घटनाओं की निगरानी को फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया की साइट पर लांच बीटा संस्करण रठढढ-श्क्क्रम्र का 10 अप्रैल, 2024 का भारत के वनों में लगी भीषण आग का मौजूद आंकड़ा बताता है कि सबसे अधिक आंध्र प्रदेश में 122, तेलंगाना में 55, छत्तीसगढ़ में 47, उत्तराखंड में 32, बिहार में 23, ओडिसा में 22, उत्तर प्रदेश में 17 सहित 21 राज्यों में 361 जगह आग लगी थी जो 13 अप्रैल को घट कर काबू होने के बाद 33 रह गई। 1अप्रैल को देश के वनों में 132 बड़ी आग लगी थी जो 10 अप्रैल को 361 जगह तक पहुंच गई है। अप्रैल माह में पिछले 7 दिनों का आंकड़ा देखें तो एक्टिव आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में छत्तीसगढ़ में 166, आंध्र प्रदेश में 248, मध्य प्रदेश में 207, ओडिसा में 146 और असम में 139 जगहों पर बड़ी आग लगी। वहीं 1 नवम्बर, 2023 से 2024 में बड़ी आग की घटनाओं में टॉप फाइव राज्यों में आंध्र प्रदेश में 860, मध्य प्रदेश में 719, तेलंगाना 688, महाराष्ट्र में 547 और छत्तीसगढ़ में 527 बार आग लगी, जबकि वर्ष 2022-2023 में तो पूरे देश के वनों में 12562 आग की घटनाएं हुई। जंगल की आग से वनों का क्षरण तो होता ही है बहुमूल्य वन संपदा और कार्बन भी नष्ट हो जाते हैं। वनों का पारिस्थितिकी तंत्र भी प्रभावित होता है। यह देखा गया है फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार जंगल की आग को मॉनिटर करने के लिए भारत में 2004 से शुरू सेटेलाइट की रिमोट सेंसिंग टडउक्र्र अर्थात मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रो रेडियोमीटर सेंसर और 2017 से भारतीय सेटेलाइट से सम्पूर्ण भारत में रठढढ-श्क्क्रम्र अर्थात सुओमी-नेशनल पोलर आर्बिटिंग पार्टनरशिप-विजिबल इंफ्रारेड इमेजिंग रेडियोमीटर सूट के साथ जीआईएस टूल्स की मदद से वनों की आग को मॉनिटर किया जा रहा है। देश का कुल 32,87,469 वर्ग किलोमीटर भौगोलिक क्षेत्र है।

नवीनतम आईएसएफआर 2021 के अनुसार देश का कुल 7,13,789 वर्ग किलोमीटर वन आवरण है। जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.71 प्रतिशत है। वन सर्वे ऑफ इंडिया का अनुमान है कि देश में 36 प्रतिशत से अधिक वन क्षेत्र में बार-बार आग लगती रहती है। देश के करीब 4 प्रतिशत वन क्षेत्र में अधिक तो 6 प्रतिशत भाग में सबसे अधिक खतरा पाया गया है। ग्लोबल फॉरेस्ट वाच के अनुसार विश्व स्तर पर आग से वर्ष 2001 से 2022 के बीच 126 मिलियन हेक्टेयर वनों का नुकसान हुआ। इनमें वर्ष 2016 ऐसा वर्ष रहा जिसमें आग से सबसे अधिक 9.63 मिलियन हेक्टेयर वन आवरण का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में आग की घटनाओं को देखें तो 2001 से 2022 के बीच भारत में आग की घटनाओं से 35.9 हेक्टेयर वृक्ष आवरण को नुकसान और 2.15 मेगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण का नुकसान अन्य कारणों से हुआ। इसमें भी 2008 में आग से सबसे अधिक कुल 3.5 प्रतिशत वृक्ष आवरण का नुकसान हुआ।

अगर 12 अप्रैल 2021 से 8 अप्रैल 2024 के बीच आज की घटनाओं की बात की जाए तो 5,29,248 श्क्क्रम्र के माध्यम से बड़ी आज की घटनाएं रिपोर्ट की गई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार विश्व में हर वर्ष करीब 7 करोड़ हेक्टेयर वन क्षेत्र आग लगने की घटनाओं से प्रभावित होता है। इससे बड़े स्तर पर पर्यावरणीय और आर्थिक क्षति होती है। ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच के अनुसार विश्व में सन 2010 में 3.92 गीगा हेक्टेयर वृक्ष आवरण था जो पृथ्वी के 30 प्रतिशत से अधिक भू-भाग में फैला हुआ था, लेकिन 2023 में विभिन्न कारणों से 28.3 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण कम हो गया। सन 2001 से 2023 तक वैश्विक स्तर पर 488 मिलियन हेक्टेयर वृक्ष आवरण की हानि हुई जो 2000 के बाद से वृक्ष आवरण में 12 प्रतिशत की कमी के बराबर है, जबकि सन 2002 से 2023 के बीच कुल 76.3 मिलियन हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन कम हो गया।

भारत की बात करें तो सन 2010 में 31.3 मिलियन हेक्टर प्राकृतिक वन थे जो कि इसकी कुल भूमि का 11 फीसद था, लेकिन वर्ष 2023 में 134 किलो हेक्टेयर आद्र प्राकृतिक वन की हानि हो गई। वर्ष 2002 से 2023 के बीच भारत में 414 हेक्टेयर आद्र प्राथमिक वन खो दिए। इस तरह भारत में कुल 4.1 प्रतिशत वन क्षेत्रफल कम हो गया। जिसमें 2016 और 2017 में अधिक हानि हुई। वनों में आग लगने से बड़े पैमाने पर मानवीय, पर्यावरण और आर्थिक हानि होती है। इसलिए आग फैलने से रोकना बहुत ही जरूरी है। वनों की आग को नियंत्रित करने में वही पुराने साधन और संसाधनों से आग काबू पाने के लिए राज्यों के महकमे लगे हुए हैं। तकनीक से हम बेहतर तरीके से मॉनिटर कर पा रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की तरह वनों की आग को काबू पाने के इंतजामों को अधिक सक्रिय करने की जरूरत है।

आईपीएल 2024 : आरसीबी को बड़े अंतर से हराने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बड़े अंतर से हराने के इरादे से उतरेगी। सनराइजर्स जहां इस सत्र में पांच मैच जीतकर 10 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है, वहीं आरसीबी की टीम केवल एक जीत के साथ 2 अंक लेकर दसवें नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में उतरते समय भी सनराइजर्स का मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा जबकि आरसीबी दबाव में रहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए सनराइजर्स की टीम आरसीबी से कहीं आगे है।

सनराइजर्स ने इस सत्र में शुरुआत से ही आक्रामक रणनीत अपनायी है जिसका उसे लाभ भी हुआ है। अब इस मैच में भी वह तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना चाहेगी क्योंकि उसे मालूम है कि आरसीबी का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर है। सनराइजर्स ने इस सत्र में आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के साथ ही तीन बार तीन बार 250 रनों से अधिक बनाये हैं। उससे इससे पहले हुए मुकाबले में आरसीबी के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर सबसे बड़े स्कोर का रिकार्ड बनाया था। टीम का लक्ष्य पावरप्ले में तेजी से बल्लेबाजी कर विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाना रहा है। ऐसे में अब उसे रोकना आरसीबी के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की जोड़ी इस मैच में भी नये रिकार्ड कायम करना चाहेगी। इसके अलावा हेनरिच क्लासेन और ऐडन मार्कराम जैसे बल्लेबाजी भी उसके पास हैं। वहीं गेंदबाजी की कमान कप्तान पैट कमिंस और भुवनेश्वर कुमार संभालेंगे

वहीं दूसरी ओर आरसीबी को गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर करना होगा। आरसीबी की ओर से अब तब सात विकेट लेकर सबसे अच्छी गेंदबाजी यश दयाल ने की है पर वह भी 24वें स्थान पर है। आरसीबी की टीम आठ में से सात मैच हाकर 2 अंक लेकर सबसे नीचे है। आरसीबी ने अपने पिछले पांच मैच में कम से कम 180 रन दिये हैं और पिछले दो मैच में प्रतिद्वंद्वी टीम ने उसके खिलाफ 200 से ज्यादा रन बनाये हैं।

आरसीबी के बल्लेबाजों ने अपनी गेंदबाजी की खामियों को पूरी करने का प्रयास किया है पर वह सफल नहीं हुई। आरसीबी के बल्लेबाजों ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच में

काफी रन बनाये पर इसके बाद भी वह एक रन से हार गयी। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अब तक टूर्नामेंट में आरसीबी की ओर से सबसे अधिक 379 रन बनाये हैं। इसके अलावा कप्तान फाफ डुप्लेसी ने भी अच्छी पारियां खेली हैं।

दूसरी ओर हैदराबाद टीम के हेड और अभिषेक किसी भी शॉट लगाने के किसी भी अवसर को नहीं छोड़ते। हेनरिच क्लासेन भी उनका पूरा साथ देते हैं। ऐसे में इस मैच में सनराइजर्स जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, ऐडन मार्कराम, मार्को जानसन, राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, सनवीर सिंह, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), भुवनेश्वर कुमार, मयंक अग्रवाल, टी नटराजन, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक मारकंडे, उपेन्द्र सिंह यादव (विकेटकीपर), उमरान मलिक, नीतिश कुमार रेड्डी, फजलहक फारूकी, शाहबाज अहमद, ट्रेविस हेड, जयदेव उनादकट, आकाश सिंह, जे सुब्रमण्यन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु -फाफ डुप्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत (विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), सूयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशाक, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉप्ले, हिमांशु शर्मा, रंजन कुमार, कैमरन ग्रीन, अल्जारी जोसफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फरग्यूसन, स्वप्निल सिंह और सौरव चौहान।

51 साल के हुए सचिन को जन्मदिन पर मिलीं शुभकामनाएं

मुंबई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर बुधवार 24 अप्रैल को 51 साल के हो गए। जन्मदिन के अवसर वर सचिन को साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई दी है। सचिन संन्यास के इतने समय बाद भी क्रिकेट जगत में छाये हुए हैं। उन्हें प्रशंसक क्रिकेट का भगवान तक मानते हैं। अपने दो दशक से अधिक समय के सबसे लंबे करियर में सचिन ने सबसे अधिक 100 शतक लगाने के साथ ही 200 टेस्ट खेले। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह विश्व के एकमात्र ख?लाड़ी हैं। अंतर राष्ट्रीय क्रिकेट में मास्टर ब्लास्टर के नाम से लोकप्रिय सचिन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी धमाकेदारी क्रिकेट खेला।

आईपीएल में जहां हर एक खिलाड़ी की नीलामी होती है। वहीं सचिन और कुछ वरिष्ठ खिलाड़ी ही ऐसे हैं जो बिना नीलामी में उतरे इसमें शामिल हुए। इसका कारण है कि आईपीएल प्रबंधन और बीसीसीआई ने उन्हें बिना नीलामी के लिए शामिल किया। तब बोर्ड के मन में ये डर था कि क्रिकेट के भगवान सचिन और बाकी दिग्गज खिलाड़ियों की बोली लगाने से प्रशंसक नाराज हो जाएंगे। इसलिए सचिन के साथ ही कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को नीलामी में नहीं भेजा गया। इसके बाद 5 खिलाड़ियों को मार्की प्लेयर बनाया गया।मतलब इन्हें पहले ही कुछ फ्रेंचाइजी अपनी टीम में शामिल कर लेंगी। यह 5 खिलाड़ी सचिन, सौरव गांगुली, वीरेंद्र सहवाग, राहुल द्रविड़ और युवराज सिंह।

सचिन को मुंबई इंडियंस, गांगुली को कोलकाता नाइट राइडर्स, सहवाग को दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स), द्रविड़ को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और युवराज को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने शामिल किया।सचिन को मुंबई ने पहले ही सत्र में साइन किया। इसके लिए फ्रेंचाइजी ने मास्टर ब्लास्टर को एक सीजन के लिए 4 करोड़ 48 लाख 50 हजार रुपये फीस दी। 2010 सीजन तक सचिन की फीस यही रही। इसके बाद उनकी फीस बढ़ाकर 8 करोड़ 28 लाख रुपये कर दी गई। सचिन ने 2013 सीजन के बाद आईपीएल से संन्यास ले लिया था।

स्टोइनिस ने बनाया रिकार्ड

चेन्नई (एजेंसी)। मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हरा दिया। इस मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही स्टोइन?स ने एकसाथ दो रिकार्ड बनाये हैं। सीएसके से मिले 211 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए स्टोइन?स ने 124 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। स्टोइन?स ने 63 गेंदों पर13 चौके और 6 छक्के लगाये। स्टोइनिस अब आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले आईपीएल में साल 2011 में सीएसके के खिलाफ पंजाब के पॉल वल्थाटी ने नाबाद 120 रन रन बनाये थे। स्टोइनिस ने इसके अलावा आईपीएल में सीएसके के खिलाफ सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने के मामले में वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है।

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम ने भी इस मैच में 211 रनों का लक्ष्य हासिल कर एक रिकार्ड बनाया। ये चेन्नई मैदान पर हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। इसके साथ ही साल 2012 में आरसीबी के खिलाफ सीएसके द्वारा बनाया गया 206 रनों का चेज भी पीछे रह गया। इस मैच में सीएसके ने ऋतुराज गायकवाड़ के शतक की बदौलत 210 रन बनाये थे।

आईपीएल 2024 : राजस्थान का प्लेऑफ में पहुंचना तय , आरसीबी और पंजाब बाहर होंगी

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 17 संस्करण में अब तक सबसे अधिक 14 अंक लेकर राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ के करीब पहुंच गयी है। अब उसे प्लेऑफ में पहुंचने केवल एक ही जीत चाहिये। वहीं अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बाहर होने का समय आ गया है। आरसीबी ने अब तक एक ही जीत के साथ 2 अंक हासिल किये हैं। ऐसे में अब अगर वह बचे हुए सभी 6 मैच भी जीत जाती है तो भी प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकती। इसके अलावा किंग्स इलेवन पंजाब की भी आरसीबी जैसी ही स्थिति है और उसका भी बाहर होना तय है। अभी 4 टीमें ऐसी हैं, जो अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। इनमें आरसीबी और पंजाब किंग्स शामिल हैं। वहीं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स भी बाहर होने की कगार पर हैं। अब इन्हें अपनी अम्मीदें बनाये रखने सभी मैच जीतने होंगे। एक भी हार इन्हें बाहर कर सकती है।

आरसीबी अब तक 8 में से 7 मैच हारी है। ये टीम अभी अंक तालिका में सबसे नीचे यानी 10वें पायदान पर है। ऐसे में फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी वाली

आरसीबी अपने बाकी बचे सभी 6 मैच और जीत लेती है, तो भी उसके कुल 14 अंक होंगे। ऐसे में आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना एकदम असंभव है। आईपीएल में अभी 10 टीमें खेल रही हैं। तब से अब तक प्लेऑफ में कभी भी कोई टीम 14 अंक के साथ प्लेऑफ में नहीं पहुंची है। सबसे नीचे चौथे नंबर की टीम के भी 16 अंक रहे हैं। ऐसे में आरसीबी टीम के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद समाप्त हो गयी हैं। आरसीबी के लिए सभी चमत्कार हो सकता है जब बाकी टीमें अपने मैच हारें और आरसीबी अपने बचे हुए मैच भारी अंतर से जीते पर ऐसा होना संभव नहीं है।

पंजाब किंग्स के लिए करो या मरो की स्थिति बन गई है. यह टीम 8 में से 2 मैच जीतकर अंक तालिका में 9वें नंबर पर कायम है। यदि ये टीम बाकी बचे सभी 6 मैच जीतने होंगे, तब कहीं जाकर 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकती है पर अगर ये टीम अब एक भी मैच हारती है, तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। उसके बाद कोई चमत्कार ही उसे आगे पहुंचा सकता है।

वहीं मुंबई और दिल्ली टीम की हालत भी इसी तरह की है। दोनों टीमों के बराबर 6-6 मैच बाकी हैं। यदि दोनों टीमें भी अपने सभी मैच जीतती हैं, तो 18 अंक के साथ प्लेऑफ में जगह पक्की कर लेंगी हालांकि यह संभव नहीं है, क्योंकि एक मैच इन दोनों टीमों को आपस में भी खेलना है, जिसमें से किसी एक की हार निश्चित है।

यदि ये दोनों टीमें मुंबई और दिल्ली अब 1-1 मैच हारती हैं, तब भी 16 अंक के साथ उनके प्लेऑफ में पहुंचने संभावना बनी रहेगी पर एक से अधिक मैच हारने पर ये टीमें बाहर हो जाएंगी।

लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे नडाल

बार्सिलोना । स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूर्नामेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं।'' फिट नहीं होने से उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेला जाता है। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है।

रोहित-कोहली टी20 विश्वकप में पारी की शुरुआत करे : गांगुली

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करनी चाहिये। गांगुली ने कहा कि विराट में 40 गेंदों में ही शतक लगाने की क्षमताएं हैं। विराट ने इस आईपीएल सत्र में तेजी से खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाये है पर इसके बाद भी उनके स्ट्राइक रेट पर सवाल उठे हैं। कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए थे पर इसके बाद भी कहा गया कि उनका स्ट्राइक रेट कम है। इस पर गांगुली ने कहा, 'विराट के पास 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमताएं है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में जीत के लिए उस प्रकार के सलामी बल्लेबाजों की जरुरत है जो मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगा सकें। इसके बाद दिखेगा कि पांच से छह ओवर के बाद क्या होगा। ऐसे में कोहली-रोहित से पारी की शुरुआत करना सबसे बेहतर फैसला रहेगा। गांगुली का मानना है चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों का चयन करेंगे। उन्होंने कहा, 'अगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकर्ताओं को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है। गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के केवल एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। आपको हर प्रदर्शन को देखना चाहिये। एक अच्छी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संतुलन होता है। भारत के पास अभी कई अनुभवी खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी है।

चहल को नहीं शामिल करने का दुख हमेशा रहेगा: हेसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से इस आईपीएल सत्र में शानदार गेंदबाजी कर पर्पल कैप के दावेदार बने युजवेंद्र चहल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल अपने इस प्रदर्शन से जहां टी20 विश्वकप के लिए भी जगह के दावेदार बन गये हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी इस बात को लेकर पछता रहें हैं कि उन्होंने पिछली बार हुई नीलामी में क्यों इस स्पिनर को शामिल नहीं किया था। हेसन ने कहा है कि चहल को टीम में नहीं रखने का उन्हें अब भी दुख है। हेसन ने कहा कि तब आईपीएल की नीलामी में गलत आंकलन के कारण ही वह इस लेग स्पिनर को टीम में नहीं रख पाये थे। चहल आईपीएल में इस बार 200 विकेट वाले आईपीएल इतिहास के

पहले गेंदबाज भी बने हैं।

हेसन ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा से बात करते हुए कहा, 'चहल एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे लेकर मैं तब तक निराश रहूंगा जब तक कि मैं अपना करियर समाप्त नहीं कर लेता और शायद उसके बाद भी। वह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है। मुझे लगता है कि जब हर चक्र की बात आती है तो आपको यह तय करना होता है कि आप किसे रिटेन (बरकरार) रखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर आप केवल तीन खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो आप नीलामी में चार करोड़ रुपए अतिरिक्त लेकर जाते हैं। इससे संभावित रूप से हमें हर्षल पटेल और चहल दोनों को खरीदने का अवसर मिलता। हेसन ने कहा कि चहल का नाम नीलामी में काफी देर से आया और तब तक फ्रेंचाइजी ने पहले ही श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खरीद लिया था। उन्होंने कहा, 'जब नीलामी का क्रम आया और उसमें चहल 65वें नंबर पर था। चहल के बाद कोई और स्पिनर नहीं था जिसमें हमारी दिलचस्पी थी। हेसन ने कहा, 'अगर हमें चहल नहीं मिलता तो हम स्पष्ट रूप से एक अन्य विकल्प के रूप में हसरंगा में रुचि रखते थे। इसलिए हमने उसके लिए बोली लगाई और फिर हसरंगा के बाद किसी ओर स्पिनर को नहीं खरीदा जा सकता था।

हरभजन बोले, सैमसन और यशस्वी को टी20 विश्वकप के लिए शामिल करें

जयपुर । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। हरभजन ने कहा कि इन दोनो को ही जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भी जगह मिलनी चाहिये। हरभजन के अनुसार सैमसन को वाले समय में भारतीय टी20 टीम की कप्तानी दी जानी चाहिये। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से सैमसन ने आईपीएल मे राजस्थान रॉयल्स की कप्तान करते हुए उसे शीर्ष पर पहुंचाया है उससे उनकी नेतृत्व क्षमता का पता चलता है। ऐसे में उसे रोहित शर्मा के बाद अगले टी20 कप्तान के तौर पर तैयार किया जाना चाहिये। इसके अलावा सैमसन ने कप्तानी के दौरान जबरदस्त बल्लेबाजी भी की है और उनपर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं दिखा है। वहीं यशस्वी को लेकर हरभजन ने कहा, मुम्बई इंडियंस के खिलाफ यशस्वी की शतकीय पारी इस बात को साबित करती है कि फार्म आता-जाता रहता है पर क्लास स्थायी होती है, यशस्वी की फॉर्म अस्थायी है। इसलिए उन्हें शामिल किये जाने पर किसी प्रकार की आशंकाएं नहीं होनी चाहिये।

सूर्यकुमार यादव आईसीसी टी20 बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी टी-20 रैंकिंग में 861 की रेटिंग के साथ शीर्ष पर कायम है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकट परिषद (आईसीसीआई) की जारी ताजा रैकिंग में इंग्लैंड के फिल साल्ट 802 की रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

हाल ही में टी-20 में सबसे तेज तीन हजार रन बनाने वाले पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को रैंकिंग में कोई फायदा मिलता हुआ नहीं दिख रहा है। उनकी रेटिंग 800 की है। इस बीच दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम एक पायदान आगे बढ़कर चौथे नंबर पर आ गए हैं और उनकी रेटिंग 755 की है। मारक्रम के कारण पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है और वे एक स्थान नीचे खिसक कर पांचवें नंबर पर पहुंचे गए हैं। शीष पांच बल्लेबाजों के बाद छठे स्थान पर 714

रेटिंग के साथ यशस्वी जायसवाल हैं। दक्षिण अफ्रीका के राइली रूसो 689 की रेटिंग के साथ सातवें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के जॉस बटलर 680 की रेटिंग के साथ अब एक स्थान की उछाल के साथ आठवें नंबर पर पहुंच हैं। न्यूजीलैंड के फिन ऐलन एक स्थान नीचे यानी नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 666 की है। दक्षिण अफ्रीका के रीजा हेंड्रिक्स 660 की रेटिंग के साथ अभी भी नंबर 10 पर बने हुए हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर पाकिस्तान के सर्वोच्च रेटिंग वाले टी-20 गेंदबाज हैं। वह न्यूजीलैंड केखिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाजी में टीम साउदी और साथी तेज हारिस रऊफ 22वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद गेंदबाजों की नवीनतम टी-20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं, जबकि साथी स्पिनर ईश सोढ़ी को भी पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में न्यूजीलैंड के लिए तीन विकेट लेने के बाद रैकिंग में कुछ सुधार हुआ है।

कुलदीप यादव ने दिया बड़ा बयान, बोले- केकेआर में मुझे ज्यादा मार्गदर्शन नहीं मिलता था

नई दिल्ली । भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा थे तब उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आयी थी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जुड़ने के बाद इस गेंदबाज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साथ राष्ट्रीय टीम के लिए भी शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली की टीम से जुड़ने के बाद कुलदीप ने 33 मैचों में 41 विकेट चटकाए है। कुलदीप बताया कि 2020 में घुटने की ऑपरेशन के बाद कोच कपिल पांडे की देखरेख में अभ्यास करते हुए उन्होंने नए कौशल विकसित किए जिसका फायदा मिला। कुलदीप ने कहा, 'मैं जब केकेआर में था तब मुझे मार्गदर्शन की जरूरत थी लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं है। अब मैं अपनी समझ से चीजें नियंत्रित करता हूं। माही भाई (महेन्द्र सिंह धोनी) ने 2019 के बाद राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना छोड़ दिया था और उसके बाद मुझे मार्गदर्शन की जरूरत महसूस हुई। अब अनुभव के साथ मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझने लगा हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी केकेआर (2016-2020 तक) में अपने समय पर पछतावा है और मुझे लगता है कि मैं अब जो कुछ भी कर रहा हूं, काश मैं इसे पहले ही कर पाता।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी दुख होता है कि अगर मैंने उस समय उन कौशलों पर काम किया होता, तो मैं और भी अधिक प्रभावी हो सकता था।'

आईसीसी ने जमैका के धावक उसेन बोल्ट को टी 20 विश्व कप का दूत नियुक्त किया

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं।

बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा, ''मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है, इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है।'' बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, ''मैं विश्व कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है।''

उन्होंने कहा, ''टी20 विश्व कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वह 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनायेगा।'' विश्व कप के दूत के तौर पर बोल्ट इस आयोजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जिसकी शुरुआत अगले सप्ताह दिग्गज कलाकार सीन पॉल और कीस के साथ कार्यक्रम के आधिकारिक गीत के रिलीज में एक 'कैमियो' के साथ होगी।'' आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ''उसैन बोल्ट एक वैश्विक आइकन हैं, हम उन्हें टी20 विश्व कप के लिए राजदूत के रूप में शामिल करके रोमांचित हैं। क्रिकेट के प्रति उनका जुनून जगजाहिर है, जो उन्हें इस भूमिका के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है।

कांग्रेस के पित्रोदा ने कहा– अमेरिका में 55 फीसदी संपत्ति सरकार की हो जाती है

वॉशिंगटन। भाजपा और कांग्रेस के बीच चल रही चुनावी जंग अब और तेज हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के तमाम बड़े दिग्गज नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस आम जनता की संपत्ति अपने कब्जे में लेकर उसका बंटवारा कर देगी। इन आरोपों पर कांग्रेस ने, न केवल सफाई दी बल्कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे ने तो खुली बहस की चुनौती दे दी। विवाद थमता इससे पहले अमेरिका में रह रहे ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने आग में

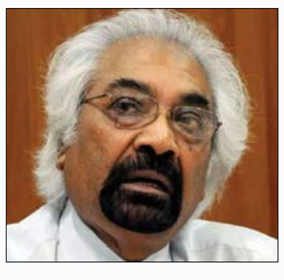

घी का काम कर दिया। उन्होंने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां तो किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है तो उसकी 45 फीसदी संपदा ही बच्चों को मिलती है। इसके अलावा बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार के पास चली जाती है।बता दें कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों देश में संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराने और संपत्ति के पुनर्वितरण की बात कही थी। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने तीखा हमला बोला था और कहा था कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति लूटना चाहती है। इस पर कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा का बयान नया बवाल खड़ा कर सकता है। सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून की बात करते हुए कहा, यह कानून कहता है कि आपने दौलत बनाई और उसका उपभोग किया। अब आप उसे छोड़कर जाएं तो उसका पूरा हिस्सा बच्चों को ही न मिले, कुछ देश को भी मिले। यह अच्छा कानून लगता है। भारत में ऐसा नहीं है। यदि किसी के पास 10 अरब की दौलत है और उसकी मौत हो जाती है तो उसके बच्चों को पूरी संपदा मिलती है, पब्लिक के हाथ कुछ नहीं आता। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को डिबेट और चर्चा करनी चाहिए। मैं नहीं जानता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन जब हम संपदा के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम नई नीतियों की बात कर रहे हैं। ऐसी योजनाओं की बात कर रहे हैं, जो जनता के हित में हैं। हम ऐसी स्कीमों की बात नहीं करते, जो सिर्फ देश के सुपर अमीरों के लिए ही हों।

लॉटरी का जैकपॉट जीतकर महिला ने कमाए करोडों रुपए, –लॉटरी में खुला 4 करोड़ 23 लाख रुपए का ईनाम

लंदन। इंग्लैंड में एसेक्स के की रहने वाली लेयला ईटन ने लॉटरी का जैकपॉट जीतकर करोड़ों–अरबों रुपए कमा लिए और कुछ समय में उसके पास बेशुमार दौलत आ गई। इस बारे में ने बताया कि जब मुझे लॉटरी में 410,000 पाउंड (4 करोड़ 23 लाख रुपए) का जैकपॉट मिला तो मैंने अपने जानने वालों को इसके बारे में बताया। लेकिन उन्हें मेरी बातों पर भरोसा नहीं था। इतना ही नहीं, जब मैंने ये बात अपने पति को बताई तो वो भी इसे सच नहीं मान रहा था। लेयला ने कहा कि मुझे अचानक आवाज आई कि मुझे इस जैकपॉट के लिए साइन अप करना चाहिए। ऐसे में मैंने दिल की बात सुनी और साइनअप कर लिया। 2 महीने बाद जब रिजल्ट आया तो मेरी किस्मत चमक गई। लेयला ने बताया कि ये जैकपॉट मेरे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि मेरे पति का हार्निया की सर्जरी होने वाली है। 33 साल की लेयला के मुताबिक, जब मुझे इस लॉटरी के जैकपॉट जीतने के बारे में पता चला तो मैंने तुरंत अपने पति को फोन मिलाया। उसे सारी बातें बता दी, लेकिन उसे भरोसा नहीं हुआ। लेयला के पति ने कहा, ‘जब तक मैं अपनी आंखों से नहीं देख लेता, तब तक मैं इसे सच नहीं मानूंगा। मैं कभी इसके बारे में सोच नहीं सकता कि ऐसा हो सकता है। मेरा दिमाग इसे मानने को तैयार नहीं।’ हालांकि, बाद में वो मान गया। लेयला ने बताया कि यह जैकपॉट बहुत जरूरी समय पर मिला है। हमारे लिए पिछले 12 महीने काफी कठिन रहे हैं। मेरे पति काफी अस्वस्थ हैं और उन्हें कुछ सर्जरी की जरूरत है। वो काफी मेहनती हैं। अस्वस्थ होने के बावजूद काम पर सिर्फ इसलिए जाते हैं, ताकि हमारी जिंदगी अच्छे से गुजर सके। लेयला ने कहा कि अचानक दिमाग में आए विचार की वजह से मैंने पोस्टकोड लॉटरी में साइन अप किया और 2 महीने बाद मेरी किस्मत में खुशियां आ गईं। लेयला ने कहा कि अब मैं 2 महीने के लिए न्यूयॉर्क छुट्टियां मनाने का प्लान कर रही हूं। साथ ही हमने परिवार के साथ काफी समय से कोई छुट्टियां नहीं बिताई। ऐसे में मैं फैमिली ट्रिप पर टर्की भी जाना चाहती हूं।

सुनीता विलियम्स तीसरी अंतरिक्ष यात्रा के लिए तैयार

–6 मई को बोइंग के कैप्सूल से स्पेस में जाएंगी ; कोरोना के चलते टला था मिशन

न्यूयार्क। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 6 मई को अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा पर जाएंगी। वो बोइंग के स्टारलाइनर कैलिप्सो मिशन का हिस्सा होंगी। अमेरिका स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक, मिशन के लिए 2 सीनियर साइंटिस्ट बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को चुना गया है। फिलहाल सुनीता बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट पर क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन के पायलट की ट्रेनिंग ले रही है। बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को 6 मई को रात 10 बजकर 34 मिनट पर एलायंस एटलस वी रॉकेट पर लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन के लिए नासा की मदद ली गई है।

दो हफ्ते तक आईएसएस में रहेंगे

अमेरिका स्पेस एजेंसी गुरूवार को स्पेसक्राफ्ट के बारे में पूरी जानकारी साझा करेगी। स्पेस एजेंसी के मुताबिक, स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स–41 से लॉन्च किया जाएगा। दोनों यात्री दो हफ्ते तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहेंगे। इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दरअसल, पहले यह स्पेसक्राफ्ट जुलाई 2022 में रवाना होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे एक साल के लिए टाल दिया गया था।

तानाशाह किम जोंग की मौजूदगी में न्यूक्लियर ड्रिल, मचा हड़कम्प

पियांग। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी मिसाइल सनक से पूरी दुनिया में हड़कंप मचा दिया है। उत्तर कोरिया ने कुछ तस्वीरों जारी कि है जिसमें तानाशाह किम जोंग की मौजूदगी में न्यूक्लियर ड्रिल को अंजाम दिया जा रहा है। इस न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल में एक के बाद एक चार रॉकेट दागे गए जो 351 किलोमीटर आइलैंड पर जाकर गिरे। सुपरलार्ज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर ने भारी गोलीबारी की और नकली परमाणु हथियारों से लैस प्रोजेक्टाइल पर सटीक निशाना भी साधा। एक रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग ने अपने दुश्मनों को चेतावनी देने के लिए न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल की है। उत्तर कोरिया की ओर से जारी तस्वीरों में दिखाया गया है कि किम जोंग की मौजूदगी में इस ड्रिल को अंजाम दिया गया। इस ड्रिल के बाद किम जोंग उन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चर स्नाइपर्स की तरह सटीक थे और युद्ध रोकने के साथ दुश्मन पर हमला करने में उत्तर कोरिया पूरी तरह सक्षम है।

वहीं दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टॉफ ने की न्यूक्लियर ट्रिगर मैनेजमेंट सिस्टम की ड्रिल को दक्षिण कोरिया के लिए खतरा बताया। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि उसे इस बात के सबूत मिले हैं कि उत्तर कोरिया अपने दूसरे जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण की तैयारी में जुटा है, लेकिन ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि प्रक्षेपण होने वाला है।

ओटावा के शॉ सेंटर वेन्यू में प्लास्टिक करार के दौरान प्लास्टिक बोटलों के ऊपर एक प्रोप को नल की तरह से लगाया गया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी में विरोध के चलते अब ऑनलाइन लगेंगी क्लास

वाशिंगटन। अमेरिका के अनेक हिस्सों में इजराइल–हमास के बीच जारी युद्ध के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले हफ्ते ‘न्यूयॉर्क आइवी लीग’ के छात्रों ने इजराइल के खिलाफ विरोध–प्रदर्शन किया था, जो मंगलवार तक एक बड़े आंदोलन में बदल गया। कोलंबिया विश्वविद्यालय के मैनहट्टन परिसर में प्रदर्शन कर रहे 100 से अधिक छात्रों को गिरफ्तार किये जाने से ये प्रदर्शन और तेज हो गया। पुलिस ने कई स्थानों से प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। कोलंबिया में तनाव बढ़ता देख विश्वविद्यालय ने बचे हुए सेमेस्टर के लिए ऑनलाइन क्लास आयोजित करने का फैसला लिया है। गाजा में युद्ध से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ छात्रों ने प्रदर्शन तेज कर दिया। ऐसे में कोलंबिया विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि वह ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि कई छात्रों के माता–पिता ट्यूशन फीस वापस करने की भी मांग कर रहे हैं। एक आधिकारिक बयान में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष ने कहा कि कई समुदायों के छात्रों डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए कार्रवाई की घोषणा की है। गाजा में विनाशकारी मानवीय परिणामों वाला एक भयानक संघर्ष चल रहा है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के पास प्रदर्शन कर रहे 133 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें छोड़ दिया गया था और अदालत में पेश होने के लिए समन जारी किया था। न्यूयॉर्क शहर के महापौर एरिक एडम्स ने बताया कि इस सप्ताह विरोध–प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर बोतलों और अन्य वस्तुओं से हमला किया। कनेक्टिकट में स्थित येल विश्वविद्यालय में छात्रों ने प्रदर्शन रोकने से इनकार कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने 47 छात्रों सहित 60 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।

इजरायल को डर उसका खास दोस्त ही उसके लिए खतरा पैदा कर रहा

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका मध्य पूर्व में इजरायल का सबसे मजबूत सहयोगी है, लेकिन वाशिंगटन ने तेल अवीव को तनाव में ला दिया है। दरअसल अमेरिकी सुरक्षा और राजनयिक स्रोतों से हाल के दिनों में जिस तरह से लीक सामने आए हैं, इन घटनाओं ने इजरायल की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। खासकर जब वे इजरायल और ईरान से जुड़े हैं। इजरायल में रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा और राजनयिक स्थिरता को बढ़ावा देने के बजाय ये लीक चिंता, दबाव और अराजकता पैदा कर रहे हैं।

दरअसल इजरायल अपनी रक्षा के लिए एक खास रणनीति पर काम करता रहा है, आंख के बदले आंख और दांत के बदले दांत। इजरायल विरोधियों पर हमला करके उन्हें तबाह करता है, लेकिन साथ ही वह कभी भी सार्वजनिक रूप से इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं लेता है। मध्य पूर्व के तनावपूर्ण क्षेत्र में यह संतुलन बेहद जरूरी है। इजरायल ने किसी हमले की सार्वजनिक जिम्मेदारी लेने से परहेज किया, फिर चाहे वह दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमला या फिर ईरान के हमले के जवाब में एस्फहान शहर को निशाना बनाना हो।

लेकिन पेंटागन ने ईरान पर हमले की जानकारी अमेरिका मीडिया को लीक की। इजरायल के सूत्रों के हवाले से बताया है कि तेल अवीव में इस बात को लेकर निराशा है कि आखिर पेंटागन ने मामले में चुप्पी रखने के बजाय अमेरिकी मीडिया को जानकारी लीक

क्यों कर दी। इजरायली सूत्रों का मानना है कि ऐसा करके अमेरिकी पक्ष ने अनावश्यक तनाव और कूटनीतिक जटिलताओं को बढ़ाया है।

इजरायल में अमेरिका के इस जानकारी को सार्वजनिक करने को लेकर व्यापक चिंता है। इजरायल ने 24 से 48 घंटे पहले अमेरिका को हमले के बारे में सूचना दी थी। इजरायली सूत्रों का मानना है कि इस जानकारी को लेकर अमेरिकी अधिकारियों को संयम बरतना चाहिए था, लेकिन इस जानकारी को लीक कर तनाव और भय का माहौल बनाया गया।

इजरायल का मानना है कि पहले से तनाव भरे माहौल में लगातार हो रहे लीक से फायदे के बजाय नुकसान अधिक हो सकता है। ये लीक इजरायल की रणनीति को कमजोर करते हैं और ईरान को भड़काते हैं, जो क्षेत्र में व्यापक संघर्ष को बढ़ा सकते हैं। इन लीक का प्रभाव इजरायल और ईरान से बाहर भी होगा।

जिनपिंग ने दिया देश की सेना के पुनर्गठन का आदेश

–युद्ध के लिए बनाई स्पेशल फोर्स

बीजिंग (एजेंसी)। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने देश की सेना के पुनर्गठन का आदेश दिया है। नए बदलावों के तहत जिनपिंग ने स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स (रणनीतिक सहायता बल) को समाप्त करने का आदेश दिया है। यह 2015 के बाद पीपल्स लिबरेशन आर्मी में सबसे बड़ा बदलाव होगाफइस बल को 8 साल पहले बनाया गया था और इसका उद्येश्य अंतरिक्ष, साइबर, राजनीतिक और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में क्षमताओं को बढ़ाना था।

नए बदलाव साफबताते हैं कि चीन के आका जिनपिंग सेना को आधुनिक युद्ध की परिस्थितियों को लिए तैयार करने में जुटे हुए हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वार की प्रमुख भूमिका होगी। रिपोर्ट के अनुसार, रणनीतिक सहायता बल की जगह जिनपिंग सूचना सहायता बल (इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स) नाम से एक नई फोर्स बनाई है। चीनी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एयरोस्पेस और साइबर यूनिट पहले रणनीतिक सहायता बल के अधीन थीं। अब संगठनात्मक रूप से नव निर्मित इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स के समानांतर होंगी। नए बदलावों को शी जिनपिंग ने खास बताते हुए कहा कि नई सेना साइबर इनफॉर्मेशन सिस्टम के निर्माण और उपयोग के समन्वय में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करेगी। नए बदलावों में भी सेना पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का नियंत्रण पहले की तरह ही बना हुआ है। ली वेई को नए बने इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स का राजनीतिक कमिश्नर बनाया गया है। इसके पहले वे समाप्त हो चुके रणनीतिक सहायता बल के लिए यही भूमिका निभा रहे थे। चीन के सरकारी टेलीविजन सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बी यी को इनफॉर्मेशन सपोर्ट फोर्स का नया कमांडर नियुक्त किया गया है। पीएलए की नेवल रिसर्च एकेडमी के एक वरिष्ठ और रिटायर्ड शोधकर्ता काओ वेदांग के हवाले से बताया है कि पुनर्गठन से उपग्रह प्रणालियों और साइबरस्पेस की बेहतर तैनाती होगी, साथ ही इलेक्ट्रॉनिक युद्ध का संचालन भी होगा। चीन की स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स के पिछले कमांडर जू कियानशेंग पिछले साल अचानक लापता हो गए थे। तब ये कहा गया था कि वे चीनी मिलिट्री नेतृत्व में बड़ी उथल-पुथल का शिकार हुए हैं। वे एक बार फिर से सामने आ गए हैं। हालांकि, उनकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट नहीं है।जिनपिंग सेना का पुनर्गठन ऐसे समय में कर रहे हैं जब दुनिया में वैश्विक प्रभुत्व की लड़ाई में चीन और अमेरिका आमने-सामने हैं।

भारत और आर्मेनिया की दोस्ती देख भड़का अजरबैजान, दी धमकी

– आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई की तो हम चुपचाप नहीं बैठेंगे

बाकू (एजेंसी)। आर्मेनिया-भारत एक दूसरे करीब आ रहे हैं क्योंकि भारत आर्मेनिया को हथियारों की सप्लाई कर रहा है। इस बढ़ती दोस्ती को देखकर आर्मेनिया का कट्टर दुश्मन अजरबैजान बौखलागया है। अजरबैजान पाकिस्तान का अचछा दोस्त है, वह कश्मीर के मुद्दे पर उसका साथ देता रहा है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा कि फ्रांस, भारत और ग्रीस की ओर से आर्मेनिया को हथियार दिए जा रहे हैं जो अजरबैजान के खिलाफ है। अजरबैजान के राष्ट्रपति अलीयेव ने कहा कि जब फ्रांस, भारत और ग्रीस आर्मेनिया को हमारे खिलाफ हथियारों की सप्लाई करेंगे तो हम चुपचाप नहीं बैठ सकते। उन्होंने कहा कि ऐसा करके वह हमें साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। हम इसे खामोश रहकर नहीं देख सकते। आर्मेनिया और भारत के संबंध पिछले कुछ सालों में मजबूत की ओर बढ़े हैं। आर्मेनिया ने हाल ही में भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने की इच्छा जताई थी। आर्मेनिया के श्रम मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा था कि मुझे लगता है कि भारत के साथ हमारे संबंध इतने परिपक्व हैं कि इन्हें रणनीतिक साझेदारी के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। पिछले साल एक रिपोर्ट में कहा गया था कि फ्रांस भी आर्मेनिया को हथियार सप्लाई करेगा। इस पर अजरबैजान के राष्ट्रपति ने कहा था कि आर्मेनिया को सैन्य सहायता भेजने का उसका निर्णय दक्षिण काकेशस में हिंसक शत्रुता को बढ़ावा दे सकता है। एक बार फिर अजरबैजान के राष्ट्रपति अलीयेव ने धमकी दी है। उन्होंने आर्मेनियाई सरकार और उसकी मदद कर रहे पक्षों को साफ शब्दों में कहा है कि अगर हमें अपने लिए कोई गंभीर खतरा दिखता है तो हम सख्त कदम उठाएंगे। भारत के अजरबैजान और आर्मेनिया दोनों के साथ राजनयिक संबंध हैं। मध्य एशिया और ईरान के रास्ते रूस और यूरोप तक जाने के लिए यह भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण हैं।

पुतिन की सेना को मिलेगा नया ब्रह्मास्त्र... एस-500 का परीक्षण हुआ सफल

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस की सेना को नया ब्रह्मास्त्र मिलने वाला है। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू ने इसकी पुष्टि की है कि रूसी एयर डिफेंस फोर्सेस को एस-500 एयर और मिसाइल डिफेंस इस साल मिलेगा है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम में दो नए बदलाव भी किए गए हैं। शोइगू ने बताया कि यह अत्याधुनिक सिस्टम दो रूप में उपलब्ध होगा। पहला- बलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम और दूसरा- ज्यादा लंबी दूरी तक फाइटर जेट को मार गिराने वाले मिसाइल सिस्टम के रूप में दिया जाएगा। रूसी एस-500 मिसाइल सिस्टम को सबसे पहले साल 2015 में पेश किया गया था। इसके बाद से लगातार इसे डिजाइन किया जा रहा था और साल 2021 में इस ग्रीक देवता के नाम पर प्रोमेथस या गॉड ऑफ फायर नाम दिया गया था।

साल 2021 के मई महीने में पुतिन ने इस बात की पुष्टि की थी कि एस-500 का टेस्ट किया गया है और यह सफल रहा है। हाल ही में रूसी सेना के हवाले से कहा गया था कि इस मिसाइल सिस्टम का बड़े पैमाने पर टेस्ट किया है। इस टेस्ट में रूसी सिस्टम ने हाइपरसोनिक मिसाइल को मार गिराने में अपनी काबिलियत का प्रदर्शन किया। इसके अलावा मिसाइल ने एक परमाणु सबमरीन से दागी गई क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया था।

एस-500 को रोड-मोबाइल एयर एंड मिसाइल

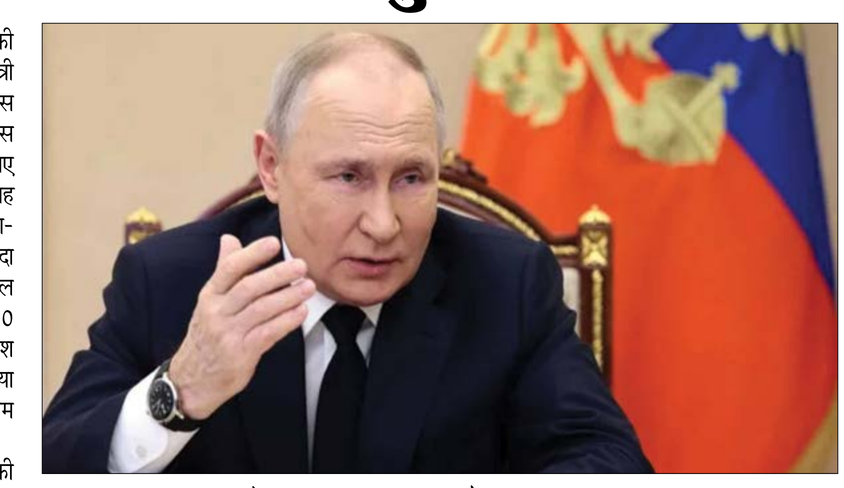

डिफेंस सिस्टम माना जाता है जिसे रूस की कंपनी अलमाज एंटे ने बनाया है। इस सिस्टम की रेंज 600 किमी तक है। यह सिस्टम 800 किमी की दूरी से ही लक्ष्यों की पहचान कर लेता है। एस-500 सिस्टम एक साथ 10 सुपरसोनिक मिसाइलों को एक के बाद एक निशाना बनाने में सक्षम है। यह एयर डिफेस सिस्टम हाइपरसोनिक या मैक 10 की स्पीड से उड़ रही मिसाइलों को भी मार गिराने में सक्षम है। एस-500 की इतनी ज्यादा रेंज है कि वह दुश्मन की मिसाइलों, स्पेसक्राफ्ट और अंतरिक्ष में निचली कक्षा में चक्कर काट रहे हथियारों को भी तबाह करने में सक्षम हैं।

इस अत्याधुनिक सिस्टम में मिसाइल के अंदर ही रेडार भी लगा होता है। एस 500 को एस-400, एस-300 और अन्य प्लेटफार्म के साथ एक सिंगल एयर एंड मिसाइल डिफेंस नेटवर्क में शामिल किया जा सकता है। लॉन्चर्स के अलावा एस-500 में एक कमांड पोस्ट व्हीकल, लक्ष्य की पहचान करने वाले रेडार, कई और अन्य रेडार भी शामिल होते हैं।

पहली बार पाकिस्तान ने माना.....रावी के पानी पर पूरा अधिकार भारत का

– जल संधि के तहत हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय नहीं जा सकते

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के संघीय कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने स्वीकार किया हैं, कि भारत को एक संधि के तहत रावी नदी के पानी पर पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि यह संधि पाकिस्तान को कानूनी रूप से बाध्य करती है, कि वह पड़ोसी देश की जल आक्रामकता के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में न जाए। पाकिस्तान के मंत्री तरार ने नेशनल असेंबली (पाकिस्तानी संसद) में भारत के कार्यों पर चर्चा के लिए प्रस्तुत एक ध्यानाकर्षण नोटिस की कार्यवाही के दौरान कहा, पाकिस्तान और भारत के बीच एक जल संधि है। रावी नदी पर पानी का अधिकार भारत का है, हम इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर भारत के खिलाफ आईसीजे का सहारा नहीं लिया जा सकता। दोनों देशों के बीच 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि के तहत भारत रावी, सतलज और ब्यास नदियों के पानी पर दावा करता है। संसद के निचले सदन में नोटिस पेश करने वाले पीटीआई एमएनए जरताज गुल ने तरार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि बुधवार को कानून मंत्री ने रावी नदी पर भारत का अधिकार स्वीकार कर लिया है, जो खेदजनक है। गुल को जवाब देकर कानून मंत्री ने कहा कि कानूनी मुद्दों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

कानून मंत्री ने कहा, इस (सिंधु जल संधि) पर दोनों देशों ने 1960 में हस्ताक्षर किए थे, हालांकि, भारत इससे बाहर निकलना चाहता है, लेकिन आईसीजे ने भारत को बाहर निकलने से रोक दिया है। उन्होंने कहा कि हालांकि पाकिस्तान किशनगंगा पनबिजली परियोजना के मुद्दे पर सफल हुआ। भारत ने शाहपुर कंडी बैराज के पूरा होने के साथ रावी नदी से पाकिस्तान की ओर पानी का प्रवाह रोक दिया है। शाहपुर कंडी बैराज पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर स्थित है। रिपोर्ट के अनुसार, रावी से जम्मू और कश्मीर को अब 1,150 क्यूसेक पानी मिलेगा जो पहले पाकिस्तान को आवंटित किया गया था। इस पानी का उपयोग कठुआ और सांबा जिलों में 32,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि की सिंचाई

के लिए किया जाएगा। सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण शाहपुर कंडी बैराज परियोजना को पिछले तीन दशकों में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हालांकि, अब यह पूरा होने वाला है।

नाएला ने वेब सीरीज मामला लीगल है में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री नाएला ग्रेवाल ने अपनी वेब सीरीज मामला लीगल है से खूब सुर्खियां बटोरी हैं। इस सीरीज को दर्शकों ने काफी ज्यादा पसंद किया था। इस कोर्ट रूम ड्रामा सीरीज ने लोगों को जमकर हंसाया था। सभी को यह इतनी पसंद आई कि इसके दूसरे सीजन को लेकर लोग इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। इस वेब सीरीज में नाएला ने रवि किशन जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है। हाल ही में, नाएला ने उन बड़े कलाकारों के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया है। नाएला ग्रेवाल ने बताया कि मामला लीगल है में काम करने से उनके भीतर कई बदलाव आए। उनके लिए रवि किशन जैसे कलाकारों के साथ काम करना, किसी अभिनय संस्थान में जाने जैसा था। नाएला ने कहा कि उन्हें सीरीज के सभी कलाकारों से काफी कुछ सीखने को मिला। अभिनय के प्रति उनके दृष्टिकोण पर भी मामला लीगल है के कलाकारों के मार्गदर्शन का गहरा असर पड़ा है।

वकील की भूमिका मे नजर आई थीं नैला

नाएला ने कहा कि प्रतिभा से भरे कलाकारों के साथ काम करके वह खुद को भाग्यशाली महसूस करती हैं। इस वेब सीरीज में वकील की भूमिका निभाकर उन्हें अपनी कला के बारे में नए पहलुओं को जानने का मौका मिला। बता दें कि नाएला ने इस सीरीज में एक ऐसी वकील का किरदार निभाया है, जो हार्वर्ड से पढ़कर आई हैं और काफी आदर्शवादी हैं। वह हमेशा परेशान और वंचित लोगों की मदद करने को आतुर रहती हैं, लेकिन कोर्ट की खराब व्यवस्था के चलते खुद ही तंग हो जाती हैं।

जल्द आएगा दूसरा सीजन

मामला लीगल है का पहला सीजन नेटफ्लिक्स पर 1 मार्च, 2024 को रिलीज हुआ था। इसमें नाएला के अलावा रवि किशन, यशपाल शर्मा, बृजेंद्र काला, विवेक मुशरान और तन्वी आजमी ने अहम किरदार निभाया था। इसके दूसरे सीजन का भी एलान हो चुका है। दर्शक एक बार फिर से तगड़े मनोरंजन की उम्मीद लगाकर बैठे हैं।

सलमान नहीं होंगे ओटीटी बिग बॉस 3 के होस्ट

सलमान खान इन दिनों हर न्यूज की हैडलाइन बने हुए हैं, जिसकी वजह है उनके घर के बाहर हुई फायरिंग और इससे जुड़ी अपडेट को लेकर वह लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। तो वहीं दूसरी ओर बिग बॉस ओटीटी 3 को लेकर भी सल्लू मियां सुर्खियों में बने हुए हैं। दबंग खान के फैंस को इस बार निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि हो सकता है कि इस बार बिग बॉस ओटीटी 3 को सलमान खान होस्ट नहीं कर पाए। टीवी का सबसे कंट्रोवर्शियल रियलिटी शो बिग बॉस के अब तक के सभी सीजन सुपर हिट रहे हैं। टेलीविजन के साथ ही ओटीटी की दुनिया में भी इस शो ने अपना जलवा बरकरार रखा है। बिग बॉस ओटीटी 2 की सफलता के बाद मेकर्स बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए कंटेस्टेंट्स की तलाश में हैं। इसी बीच इस शो के होस्ट को लेकर एक अपडेट सामने आई है।

कौन संभालेगा सलमान की गद्दी

मीडिया रिपोट्स की माने तो इस बार यह शो सलमान खान होस्ट नहीं कर पाएंगे। इसलिए उनकी जगह कुछ नए नाम सामने आए हैं, जो बिग बॉस ओटीटी 3 सीजन को होस्ट कर सकते हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 कई वजहों से लाइमलाइट में रहा। एल्विश यादव की वाइल्ड कार्ड एंट्री ने शो की टीआरपी बढ़ाई, तो अभिषेक और मनीषा की दोस्ती ने लोगों को खूब एंटरटेन किया। अब मेकर्स बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए कंटेस्टेंट्स के साथ इसके नए होस्ट की भी तलाश कर रहे हैं।

बिग बॉस ओटीटी 3 के दावेदार

बिग बॉस ओटीटी 3 के लिए कुछ नाम सामने आए हैं। लेकिन इस पर मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं आई है। कंटेस्टेंट्स के नाम के बीच अब बिग बॉस ओटीटी 2 के तीन फेमस कंटेस्टेंट्स का नाम सामने आया है, जो सलमान खान की गद्दी को संभाल सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एल्विश यादव, मनीषा रानी और अभिषेक मल्हान बन सकते हैं बिग बॉस ओटीटी 3 में नए मेंटर। लेकिन फैंस इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं हैं कि सलमान खान की जगह कोई दूसरा होस्ट आए।

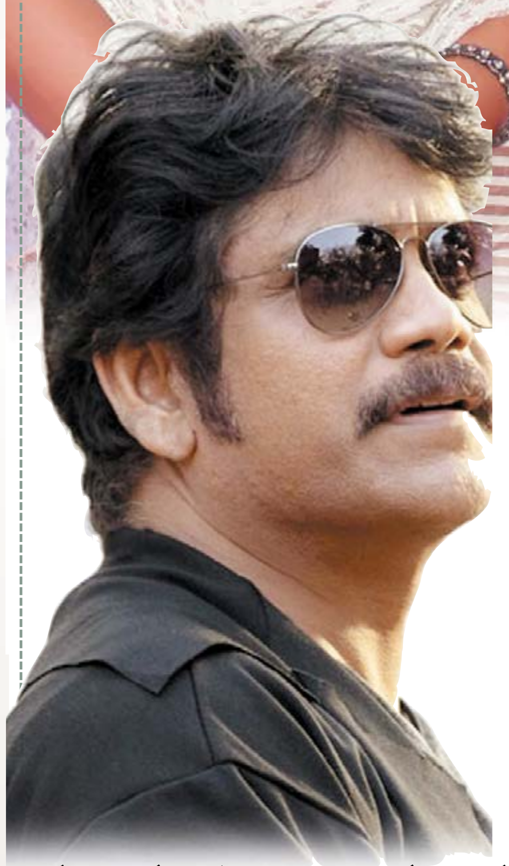

थलाइवर 171 में रजनीकांत के साथ अभिनय का दम दिखाएंगे नागार्जुन

साउथ के सफल निर्देशक और निर्माता लोकेश कनगराज इन दिनों सुपरस्टार रजनीकांत के साथ अपनी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई शीर्षक थलाइवर 171 है। इस फिल्म की घोषणा पिछले साल की गई थी। फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने अति रहती हैं, जिससे प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बनी रहती है। इसे पहले फिल्म की शूटिंग पर अपडेट दिया गया था। वहीं, अब फिल्म के कलाकार को लेकर नई जानकारी सामने आई है। थलाइवर 171 निस्संदेह सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है, जिसे प्रशंसक बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि फिल्म के निर्माताओं ने कोई बड़ा अपडेट नहीं दिया है, लेकिन फिल्म के कलाकारों को लेकर कई अटकलें लगाई जा रही हैं। अब चर्चा है कि तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन को रजनीकांत अभिनीत फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। हालांकि, इस अफवाह के समर्थन में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन कुछ तेलुगु रिपोर्ट्स का दावा है कि अभिनेता वास्तव में आगामी लोकेश कनगराज परियोजना का हिस्सा हैं और जल्द ही एक आधिकारिक अपडेट किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, थलाइवर 171 की टीम इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए नागार्जुन के साथ बातचीत कर रही है। चर्चा में यह भी कहा गया है कि लोकेश कनगराज पहले ही परियोजना के संबंध में नागार्जुन के साथ चर्चा कर चुके हैं। हालांकि, अब इस पर निर्माताओं की ओर से आधिकारिक जानकारी का इंतजार है।

पहाड़ों में बसना चाहती हैं श्रद्धा कपूर!

श्रद्धा कपूर इन दिनों वादियों में घूमने का आनंद ले रही हैं। श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपनी नई तस्वीरें साझा की हैं। इस तस्वीरों में श्रद्धा का पहाड़ों के लिए प्यार दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री ने तस्वीरें साझा कर लिखा, किसकी मजाल है मुझे पहाड़ों से वापिस ले जाए? हालांकि एक्ट्रेस ने ये नहीं बताया है कि वे कहां घूम रही हैं।

फिल्म के लिए मानुषी बनीं नॉन वेजिटेरियन

बॉलीवुड स्टार्स फिल्मों में अपने किरदारों के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन के साथ-साथ अपनी आदतों को भी बदलने से परहेज नहीं करते। इस लिस्ट में मानुषी छिल्लर का नाम भी शामिल हो गया है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के लिए मानुषी वेजिटेरियन से नॉन-वेजिटेरियन बन गईं। मानुषी को ऐसा क्यों करना पड़ा, इसका कारण उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है। इंटरव्यू में मानुषी ने कहा, मैं ताउम्र अपनी लाइफ में वेजिटेरियन रही। मैंने हमेशा से ये सोचा था कि मैं कभी नॉन वेज नहीं खाऊंगी लेकिन तभी मैंने बड़े मियां छोटे मियां साइन की। फिर मुझे कोविड को गया। मैं बहुत डर गई क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि मेरा वेट कम हो क्योंकि मुझे बड़े मियां छोटे मियां के लिए मसल्स बिल्ड करने थे। मानुषी ने आगे कहा, तब मेरे पिता जो कि एक डॉक्टर हैं, उन्होंने मुझे मीट खाने की सलाह दी। पापा इस दौरान मेरी डाइट का बहुत ध्यान रखते थे। मैं उनसे हमेशा कहती थी कि प्लीज कुछ ऐसा बना दीजिए जो चिकन जैसा न लगे। वो डाइनिंग टेबल के पास बैठ जाते थे और मुझसे जबरदस्ती मेरा खाना फिनिश करवाते थे। मानुषी बोलीं, बड़े मियां छोटे मियां की ज्यादातर शूटिंग जॉर्डन, स्कॉटलैंड, लंदन में हुई है और स्कॉटलैंड में ज्यादा वेज ऑप्शन नहीं मिलते थे और मीट ही मेरे लिए प्रोटीन का सबसे आसान सोर्स हुआ करता था।

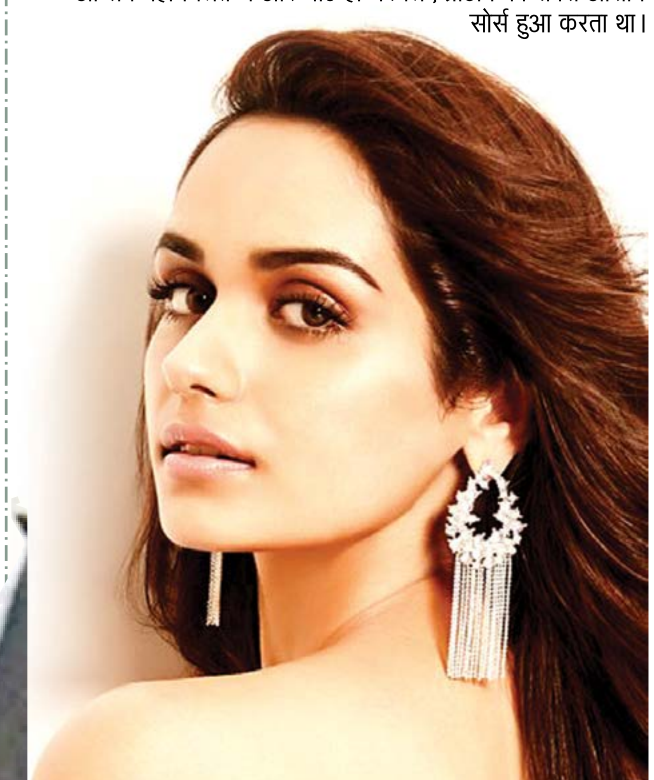

कैमरे के सामने लौटने की इमरान की कोशिशों को झटका, बंद हुई अब्बास टायरवाला की सीरीज

आमिर खान के भांजे इमरान खान की कैमरे के सामने वापसी की कोशिशों को करारा झटका लगा है। बीते एक साल से इमरान खान अपनी इस वेब सीरीज को लेकर मीडिया में हाइप बनाते रहे हैं लेकिन, ऐन मौके पर इस सीरीज को रद्द कर दिया गया है। अब इमरान खान के पास फिलहाल कोई प्रोजेक्ट नहीं है और वह खुद मानते हैं कि उनकी वापसी में अब काफी वक्त लग सकता है।

निर्देशक अब्बास टायरवाला ने बीते साल इमरान खान को लेकर एक जासूसी सीरीज की योजना बनाई थी। एक नामचीन ओटीटी ने इसके लिए ग्रीन सिगनल भी दे दिया लेकिन इस साल की शुरुआत से ही इस सीरीज को लेकर नए सिरे से बातें शुरू हुईं। ओटीटी को लगा कि जिस तरह की भारतीय जासूसी सीरीज वे बनाना चाह रहे हैं, वैसा असर इमरान खान की सीरीज में दिख नहीं रहा। सीरीज का बजट भी इस योजना में अड़ंगा बना और आखिरकार ओटीटी ने इस सीरीज को रद्द करने का फैसला ले लिया है। इमरान खान इस सीरीज के रद्द होने से मायूस तो हैं लेकिन उनका मानना यही है कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। सीरीज को लेकर उनके सुर भी अब बदल गए हैं। इमरान कहते हैं, 'हिंसक कहानियां मुझे वैसे भी पसंद नहीं रही हैं। हर विवाद का हल बंदूक नहीं हो सकती। बहुत ज्यादा हिंसा वाली कहानियां समाज के लिए भी अच्छी नहीं है। अगर हिंसक कृत्यों की परिणीति स्वाभाविक व प्राकृतिक न्याय के साथ नहीं होती है, तो ऐसी कहानियां कहना ठीक नहीं है।' अब, इमरान खान के पास फिलहाल कोई फिल्म या सीरीज नहीं है। अब सीरीज के बंद हो जाने के बाद इमरान खान की कैमरे के सामने वापसी फिर अधर में लटक गई है।

एक्टर आयुष शर्मा ने सलमान खान को लेकर दिया बयान

कहा - बनाएंगे अपनी अलग पहचान

आयुष शर्मा की शादी सलमान खान की बहन अर्पिता से हुई है। सलमान ने अपने बहनोई आयुष को साल 2018 में फिल्म लवयात्री से लॉन्च किया था। इसके बाद फिल्म अंतिम में भी सलमान खान एक्टर आयुष का साथ देते नजर आए थे। ऐसे में लगातार यह कहा जाता रहा है कि उन्हें सलमान का संरक्षण प्राप्त है, इस वजह से उन्हें आसानी से काम मिल जाता है। अब हाल ही में आयुष ने सलमान से जुड़े टैग पर खुलकर बात की है।

बॉलीवुड मे दबंग खान के नाम से मशहूर अभिनेता सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा अपनी अगली फिल्म के प्रमोशन मे व्यस्त हैं। वह लगातार खुद को इंडस्ट्री मे बतौर अभिनेता स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। आयुष इस वक्त अपनी आगामी फिल्म रुसलान को प्रमोट कर रहे हैं। यह पहला मौका है, जब अभिनेता ने अपनी फैमिली के प्रोडक्शन से बाहर की फिल्म की हैं। इससे पहले उनकी दोनों फिल्में फैमिली के प्रोडक्शन में ही बनी थीं। आयुष रुसलान से खुद को एक अभिनेता के तौर पर स्थापित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। इंडस्ट्री में पांव जमाने को लेकर इस फिल्म की सफलता उनके लिए काफी जरूरी है। अब तक रिलीज हुई दोनों फिल्मों में उन्हें सलमान का साथ मिला था। सलमान की बहन अर्पिता से शादी के बंधन में बंधने के बाद साल 2018 में फिल्म लवयात्री से दबंग खान ने उन्हें लॉन्च किया था। इसके बाद फिल्म अंतिम में भी सलमान ने आयुष का साथ दिया था। ऐसे में लगातार यह कहा जाता रहा है कि उन्हें सलमान का संरक्षण प्राप्त है। उनके ऊपर दबंग खान का हाथ होने से उन्हें इंडस्ट्री मे काम आसानी से मिल गया। इस मसले पर आयुष ने प्रतिक्रिया दी है।

सलमान का टैग जुड़े होने पर बोले आयुष

अभिनेता आयुष शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रुसलानके प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान उनसे बतौर अभिनेता सलमान का टैग लगे होने को लेकर सवाल पूछा गया। इसके जवाब में उन्होनें कहा ,मैं किसी के विचारों से नहीं लड़ रहा, मेरे काम से ही लोगों की राय बदली जा सकती है। इसके अलावा मेरे बारे में कही जा रही किसी भी बात से मैं इनकार नही करता। सलमान ने मुझे लॉन्च किया, संरक्षण दिया उसके लिए मैं उनका आभारी हूं, लेकिन अब मैं इससे बाहर आ रहा हूं और मैं अपनी एक अलग पहचान बनाऊंगा।

अंतिम से मिली पहचान

आयुष ने आगे कहा, मेरा काम मेरे लिए बोलेगा, मैं पीछे मुड़कर ये नहीं कहूंगा कि लोगों ने मेरे बारे में ऐसी राय बनाई, अब मैं इसे स्वीकार करता हूं। मेरा काम है मेहनत करना और खुद को साबित करना। अपने बारे में लोगों की राय को बदलने का एकमात्र तरीका यही है कि मैं बेहतर काम करके दिखाऊं। अंतिम फिल्म से पहले लोगों की मुझमे कोई दिलचस्पी नही थी, लेकिन अंतिम के बाद मुझे थोड़ी पहचान मिली। मैं समझता हूं आपका काम ही आपके लिए बोलता है। बात करें फिल्म रुसलान की तो इसमें आयुष एक अलग अवतार मे नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनका हार्ड कोर एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। आयुष शर्मा के साथ इस फिल्म में दक्षिण सिनेमा के मशहूर अभिनेता जगपति बाबू, सुश्री मिश्रा, विद्या मालवडे भी अहम भूमिकाओं में नजर आंएगे।

श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ ने सुखाला गांव में 90 वर्षीय बेसहारा वृद्धा को घर बनाकर देने का लिया संकल्प, भूमिपूजन कर शुरु कराया निर्माण कार्य

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, वापी 24 अप्रैल। वलसाड जिले के कपराडा तालुक के सुखाला गांव में एक टूटी-फूटी झोपड़ी में रहने वाली एक निराश्रित 90 वर्षीय महिला और उसकी बेटी श्री स्वामीनारायण ज्ञानपीठ सलवाव यूएसए के ध्यान में यह बात आते ही कि वह बहुत कठिन परिस्थितियों में रह रही है। संगठन के संतों ने बुधवार को सुखाला गांव पहुंचकर इस बेसहारा बेटी के लिए मानसून से पहले घर तैयार करने के लिए भूमि पूजन किया। 90 साल की एक बूढ़ी महिला और उसकी बेटी कई सालों से कपराडा तालुका के सुखाला गांव में एक खेत के अंदर एक टूटी-फूटी झोपड़ी में बहुत ही दयनीय स्थिति में रह रही हैं। संगठन के अध्यक्ष शास्त्री स्वामी कपिल जीवनदास अन्य संतों के साथ सबसे पहले सुखाला पहुंचे और मां-बेटी किस स्थिति में रह रही है, यह देखने से पहले उन्होंने उसे अनाज, बर्तन और कपड़े देकर मदद करने और इस बेटी को एक आदर्श घर बनाने का संकल्प लिया था। बुधवार को पुराणी स्वामी केशव चरणदास, शास्त्री स्वामी कपिल जीवनदास, पूज्य हरिस्वामी और अन्य सेवकों के साथ वे सुखाला पहुंचे और इस निराश्रित मां-बेटी के लिए पक्का घर बनाने के लिए मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन किया। इतना ही नहीं भवन को बरसात से पहले तैयार करने का काम आज से शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा इसी गांव में मानसिक रूप से परेशान जीवन जी रहे एक बेसहारा मालिक को अनाज और लाइट की सुविधा दी गई। संस्था से मदद पाकर इन दोनों परिवारों के चेहरे पर खुशी की लहर देखी गई। संतों द्वारा अन्य परिवारों की मां-बेटियों को आशीर्वाद दिया गया।

मंच पर भाषण देते समय चक्कर खाकर गिरे गडकरी

■ पोस्ट कर बताया... अब ठीक हूं

नागपुर (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव को लेकर चुनावी प्रचार अपने चरम पर है। एक ओर विपक्ष की भूमिका में कांग्रेस सहित सपा व बाकी राजनीतिक दल के नेता लगातर चुनावी सभाएं कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के भी कदावर नेताओं ने मोर्चा संभाला हुआ है। इसी क्रम में बुधवार केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नितिन गडकरी महाराष्ट्र के यवतमाल में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। मगर वहां कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी को हैरान के साथ परेशान कर दिया। खबर है कि, मंच पर भाषण देते समय गडकरी की तबियत अचानक बिगड़ गई और वे मंच पर ही गिर पड़े। इस बीच लोगों ने उन्हें उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। हालांकि कुछ ही देर बाद गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर अपने स्वास्थ्य से जुडी जानकारी शेयर की है। उन्होंने बताया कि, ''तेज धूप और बढ़ती गर्मी के वजह से उन्हें असहज महसूस हुआ, लेकिन अब वह पूरी तरह से स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, गडकरी प्रचार-प्रसार और चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए यवतमाल पहुंचे थे। जहां उन्होंने चुनावी जनसभा में मौजूद कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करना शुरू किया। तभी भाषण के बीच में अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई और वे मंच पर ही चक्कर खा कर गिर गए। गनीमत ये रही कि उन्हें कोई चोट नहीं लगी। जिसके बाद आस-पास मौजूद लोगों ने उन्हें सँभालते हुए इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान वाली सीटों पर प्रचार थमा

■ 13 राज्यों की 88 सीटों पर 26 अप्रैल को होगा मतदान ■ राहुल गांधी, भूपेश बघेल, समेत कई दिग्गजों की किस्मत दांव पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग वाली 88 सीटों पर चुनाव प्रचार बुधवार शाम थम गया। ये सीटें एमपी, यूपी, बिहार, राजस्थान सहित 13 राज्यों में हैं। दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग होगी। दूसरे चरण में असम की 05, बिहार की 05, छत्तीसगढ़ की 03, जम्मू-कश्मीर की 01, कर्नाटक की 14, केरल की 20, मध्य प्रदेश की 06, महाराष्ट्र की 08, राजस्थान की 13, त्रिपुरा की 01, उत्तर प्रदेश की 08 और पश्चिम बंगाल की 03 सीटों पर पर मतदान होना है। दूसरे चरण के चुनाव में जो उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं उनमें राहुल गांधी, अरुण गोविल, हेमा मालिनी, शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर शामिल हैं। केरल के वायनाड से पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी उम्मीदवार हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के मथुरा से हेमा मालिनी भाजपा की प्रत्याशी हैं। रामायण सीरियल में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल मेरठ से भाजपा उम्मीदवार हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर तिरुवनंतपुरम से चुनाव लड़ रहे है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस नेता शशि थरूर से है। जम्मू लोकसभा सीट पर भाजपा के जुगल किशोर व कांग्रेस के रमन भल्ला हैं।

दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर कुल 1206 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। केरल की सभी 20 लोकसभा सीटों पर इसी चरण में मतदान होना है। इसके अलावा 26 अप्रैल को ही कर्नाटक की 14 व राजस्थान की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों की 88 लोकसभा सीटों में केरल में लगभग 500 प्रत्याशियों ने चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया है। नाम वापसी के उपरांत यहां 20 सीटों पर 194 प्रत्याशी शेष रह गए हैं।

नदी किनारे कपड़े धो रहे युवक को मगरमच्छ खींच ले गया, नदी से बरामद हुआ शव

वडोदरा (ईएमएस)। वडोदरा के निकट ओरसंग नदी के किनारे कपड़े धो रहे एक युवक को मगरमच्छ खींच ले गया। घटनास्थल पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी। काफी मशक्कत के बाद दमकल के जवानों को युवक का शव हाथ लगा। चाणोद पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक बोटाद के पीपळिया के मूल निवासी मेहुल विरमभाई धरागिया नामक युवक वडोदरा के निकट ओरसंग नदी के किनारे कपड़ा धो रहा था। उस वक्त अचानक नदी से बाहर आए मगरमच्छ मेहुल धरागिया को पानी में खींच ले गया। घटना को लेकर चीख-पुकार मच गई और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। घटनास्थल पर पहुंची दमकल की टीम ने नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी। काफी मशक्कत के बाद युवक का शव नदी से बरामद हुआ। घटना को लेकर चाणोद पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की है। गौरतलब है वडोदरा और आसपास के इलाकों के जलाशयों में बड़ी संख्या में मगरमच्छ रहते हैं। बरसात के दिनों में तो मगरमच्छ रिहायशी इलाकों में घूमते नजर आते हैं। अन्य मौसम में शायद ही ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। वडोदरा के आसपास से गुजरने वाली उन नदियों में मगरमच्छों की उपस्थिति दिखाई देती है। प्रशासन चेतावनी बोर्ड लगाकर संतोष मान लेता है। कई बार मगरमच्छ और इंसान का सामना हो जाता है और अप्रिय घटना घट जाती है।

आईस्क्रीम लेने गई 14 साल की किशोरी से पार्लर संचालक ने की छेड़छाड़, जांच में जुटी पुलिस

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के सायंस सिटी क्षेत्र के डिवाइन रोड स्थित पार्लर पर आईस्क्रीम लेने गई एक 14 साल की किशोरी के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। किशोरी से छेड़छाड़ किसी और ने नहीं बल्कि पार्लर के संचालक ने की। मामला थाने पहुंचने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर फरार पार्लर संचालक की तलाश तेज की है। रविवार की इस घटना की जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के सायंस सिटी क्षेत्र निवासी व्यापारी अपने पत्नी और संतानों के साथ घर था। देर शाम के वक्त व्यापारी के 14 वर्षीय बेटी सायंस सिटी के निकट डिवाइन रोड स्थित निजी पार्लर पर आईस्क्रीम लेने गई थी। पार्लर पहुंचकर किशोरी ने काउंटर पर बैठे अधेड़ से आईस्क्रीम मांगी। पार्लर के अधेड़ संचालक ने पहले किशोरी के गाल पकड़ लिए। अधेड़ की हरकत देख किशोरी डर गई और वहां से जैसे भागने लगी तो पार्लर संचालक ने उसे बाहों में भर लिया। किसी प्रकार उसके चंगुल से छूटकर रोते हुए किशोरी अपने घर पहुंची और माता-पिता से पार्लर संचालक की हरकतों की शिकायत कर दी। जिसके बाद किशोरी के माता-पिता तुरंत बोडकदेव पुलिस थाने पहुंच गए और किरण पटेल नामक पार्लर संचालक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर किरण पटेल के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है।

2017 से लापता व्यक्ति का मिली अस्थियां, नाजायज संबंधों को लेकर साढ़े छह साल पहले हत्या की गई थी

पोरबंदर (ईएमएस)। पोरबंदर की पुलिस ने 2017 से लापता व्यक्ति की अस्थियां मिलने के बाद इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने नाजायज संबंधों के चलते लापता व्यक्ति की साढ़े छह साल पहले ही हत्या कर दी थी और उसका शव जमीन में दफना दिया था। पुलिस ने अस्थियां बरामद कर डीएनए कराने समेत आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक पोरबंदर जिले के राणावडवाला गांव निवासी 38 वर्षीय परबत सेजा कोडियातर नामक दिसंबर 2017 से लापता था। परबत कोडियातर के लापता होने के बारे में उस वक्त राणावाव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि 2017 से लापता परबत कोडियातर की हत्या कर दी है और इस घटना को अंजाम उसी गांव में रहनेवाले भीखा सेजा उलवा नामक शख्स ने की है। जिसके आधार पर पुलिस ने भीखा उलवा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में भीखा ने ना नुकूर की, परंतु पुलिस की सख्ती के आगे वह टूट गया और परबत कोडियातर की हत्या की बात कबूल कर ली। भीखा ने बताया कि उसके परबत की पत्नी के साथ नाजायज संबंध थे। जिसमें सबसे बड़ी बाधा परबत कोडियातर था। इसलिए परबत की गला घोंटकर हत्या कर दी और उसका शव गांव के तालाब के निकट गड्ढा खोदकर दफना दिया। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपी द्वारा बताई गई जगह पर जेसीबी की मदद से गड्ढा खुदवाया। जहां से पुलिस को परबत कोडियातर की 100 जितनी अस्थियां मिली। पुलिस ने अस्थियों का डीएनए रिपोर्ट समेत आगे की कार्यवाही शुरू की है।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)